प्रातः दैनिक

e-paper- www.poorabtimes.com गुरुवार, 3 सितम्बर, 2026 मूल्य- 2/- डाक पंजीयन : छ.ग./दुर्ग/66/2025-2027

पूरब टाइम्स

जिसे सब छुपाते हैं... उसे हम छापते हैं...

वर्ष 15, अंक - 54 RNI/CHHBIL/44259 |छत्तीसगढ़ से प्रसारित नं.-1 लोकल दैनिक अखबार

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 'जांच और इलाज आपके दरवाजे पर दवा' अभियान शुरू किया है, जिसमें 6 करोड़ लोगों की होगी हेल्थ स्क्रीनिंग

बिहार । मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 2 सितंबर को जांच और इलाज - आपके दरवाजे पर दवा अभियान की शुरुआत की। इस अभियान का मकसद लगभग छह करोड़ लोगों की जांच करना और हर नागरिक का डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड बनाना है। यह अभियान 30 नवंबर तक चलेगा और इसका उद्घाटन पटना के राजवंशी नगर स्थित एनर्जी ऑडिटोरियम में किया गया। मुख्यमंत्री कार्यालय (CMO) के अनुसार, इस अभियान के तहत सभी 38 जिलों में जागरूकता रथ भेजे गए।

मुख्यमंत्री चौधरी ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे इस अभियान पर बारीकी से नज़र रखें और इसे सफलतापूर्वक लागू करना सुनिश्चित करें। उन्होंने समय पर जांच के महत्व पर ज़ोर देते हुए कहा कि समय पर जांच से बीमारी का पता लगाना और बेहतर इलाज संभव हो पाता है; स्वस्थ परिवार ही समृद्ध बिहार की नींव हैं। CMO ने बताया कि ज़िला अस्पतालों में 45 तरह की सर्जरी शुरू हो गई हैं, जिससे ज़िला अस्पतालों से बड़े अस्पतालों में मरीज़ों को रेफर करने की संख्या में कमी आई है। सर्जरी की संख्या में काफ़ी बढ़ोतरी हुई है; जून में यह संख्या 2,428 थी, जो इस महीने बढ़कर 8,000 से ज़्यादा हो गई है।

इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने मिशन कायाकल्प शुरू करने की घोषणा की। यह प्रोग्राम राज्य भर में स्वास्थ्य संस्थानों को बेहतर और मज़बूत बनाने के लिए बनाया गया है। इस अभियान का मकसद लोगों के घर के पास स्वास्थ्य जांच और इलाज की सुविधाएँ पहुँचाना और बिहार की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मज़बूत करना है। 1 सितंबर को चौधरी ने घोषणा की कि मोतिहारी में बंद पड़ी चीनी मिल को फिर से शुरू करने का काम जल्द ही शुरू होगा, साथ ही पूर्वी चंपारण ज़िले के लिए कई विकास परियोजनाएँ भी शुरू की जाएँगी। मोतिहारी में बापूधाम महोत्सव के दौरान, उन्होंने ज़िले के लिए 285 करोड़ रुपये की लागत वाली 145 विकास योजनाओं का शिलान्यास या उद्घाटन किया।

CMO के अनुसार, योजनाओं में बरियारपुर में एक मेडिकल कॉलेज बनाना और मोतिहारी में एक तारामंडल (प्लेनेटेरियम) का काम शुरू करना शामिल है। इसके अलावा, लोगों की मांग को देखते हुए, पिपराकोठी के लिए पहले प्रस्तावित केंद्रीय विद्यालय को अब बरियारपुर में स्थापित किया जाएगा।

फारूक अब्दुल्ला ने कश्मीरी पंडितों को मिल रही धमकियों को राज्य का दर्जा रोकने की 'साजिश' बताते हुए, सवाल किया

कश्मीर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फ़ारूक अब्दुल्ला ने आरोप लगाया है कि कश्मीरी पंडित कर्मचारियों को हाल ही में मिली धमकियां एक साजिश का हिस्सा हैं, जिसका मकसद जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा फिर से मिलने से रोकना है। उन्होंने यह सवाल भी उठाया कि केंद्र शासित प्रदेश में तैनात वरिष्ठ हिंदू पुलिस अधिकारियों को ऐसी धमकियों का सामना क्यों नहीं करना पड़ रहा है।

कश्मीरी पंडित कर्मचारियों को हाल ही में मिली धमकियों पर JKNC के अध्यक्ष डॉ. फ़ारूक अब्दुल्ला ने कहा कि ये धमकियां कौन दे रहा है? क्या कश्मीरी पंडित यहां नहीं रहते? यहां के अधिकारी—DIG, DG और SP (जिला SP समेत)—सभी बाहर के हिंदू हैं। डिप्टी कमिश्नर भी हिंदू हैं। उन्हें धमकियां क्यों नहीं मिल रही हैं? सवाल यह है कि अगर हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है, तो उन्हें धमकियां क्यों नहीं मिल रही हैं? यह एक साजिश है; यह इस इलाके को राज्य का दर्जा न देने और डर का माहौल बनाने की चाल है। वे दुनिया भर में दावा कर रहे हैं कि यहां शांति बहाल हो गई है और उग्रवाद खत्म हो गया है। तो फिर यह सब कहां से आ रहा है? उन्हें इसका जवाब देने दें।

अब्दुल्ला की बातों पर राजनीतिक कमेंटेटर प्रदीप भंडारी ने तीखी प्रतिक्रिया दी और नेशनल कॉन्फ्रेंस नेता की आलोचना की। X पर एक पोस्ट में, भंडारी ने अब्दुल्ला पर कश्मीरी हिंदुओं का मज़ाक उड़ाने का आरोप लगाया और समुदाय को मिली कथित धमकियों पर उनकी प्रतिक्रिया पर सवाल उठाए। भंडारी ने कहा कि हिंदुओं को मिल रही इस्लामी धमकियों का सामना करने के बजाय, वह पूछते हैं: 'हिंदू अधिकारियों को धमकियां क्यों नहीं मिल रही हैं?

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि इन बयानों से आतंकवाद-समर्थक सोच झलकती है और कहा कि इन्हीं की वजह से घाटी से कश्मीरी हिंदुओं को विस्थापित होना पड़ा। भंडारी ने यह भी आरोप लगाया कि 70 कट्टर आतंकवादियों को रिहा किया गया और कश्मीरी हिंदुओं के मुद्दे पर कांग्रेस और फ़ारूक अब्दुल्ला के रुख की आलोचना की

SC की BCI अध्यक्ष मनन मिश्रा के कार्यकाल को बताया केवल 'Pro-Tem' व्यवस्था

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को बार काउंसिल ऑफ़ इंडिया (BCI) के कामकाज पर कड़ी निगरानी व्यवस्था लागू की। कोर्ट ने निर्देश दिया कि जब तक नए चुनाव के ज़रिए इसका पुनर्गठन नहीं हो जाता, तब तक वकीलों की इस शीर्ष संस्था द्वारा लिए जाने वाले हर नीतिगत फ़ैसले में भारत के अटॉर्नी जनरल (AG) और सॉलिसिटर जनरल (स्त्र) को "सक्रिय रूप से शामिल" किया जाना चाहिए। भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्य कांत और जस्टिस जोयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच ने साफ़ किया कि BCI चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा का पद पर बने रहना 2030 तक की व्यवस्था नहीं माना जा सकता। बेंच ने कहा कि पहली नज़र में, उनका पद केवल "प्रो टेम" (अस्थायी) है, जो तब तक रहेगा जब तक कि नई बनी BCI अपने पदाधिकारी नहीं चुन लेती। कोर्ट का दखल तब हुआ जब राज्य बार काउंसिल के चुनावों से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई हो रही थी। इन याचिकाओं में BCI चेयरमैन के तौर पर मिश्रा के बने रहने और चेयरमैन व वाइस-चेयरमैन का कार्यकाल 2030 तक बढ़ाने वाले नोटिफ़िकेशन्स की वैधता को चुनौती दी गई थी।

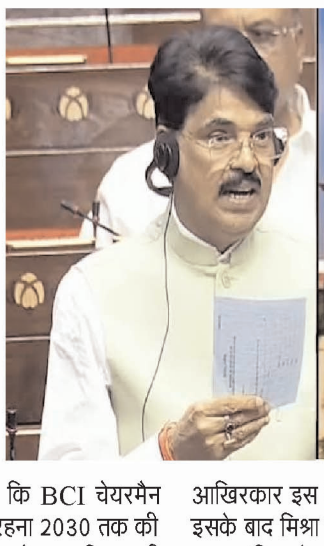

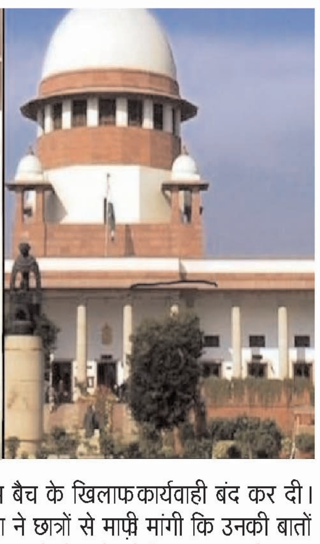

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश क्यों अहम है?

बेंच के निर्देश इसलिए अहम हैं क्योंकि कुछ दिन पहले ही उसने NALSAR यूनिवर्सिटी ऑफ़ लॉ के 2026 बैच के ग्रेजुएशन सेरेमनी में CJI को बुलाने के विरोध को लेकर BCI के दखल की आलोचना की थी। BCI चेयरमैन मिश्रा ने पहले राज्य बार काउंसिलों को निर्देश दिया था कि वे इन छात्रों का एनरोलमेंट न करें क्योंकि उन्होंने दीक्षांत समारोह में CJI को बुलाने का विरोध किया था। बाद में उन्होंने यह रोक हटा ली और आखिरकार इस बैच के खिलाफ कार्यवाही बंद कर दी। इसके बाद मिश्रा ने छात्रों से माफ़ी मांगी कि उनकी बातों या काउंसिल के कामों से उन्हें कोई दुख पहुंचा हो।

बुधवार को, पीठ ने कहा कि उसकी तत्काल चिंता किसी व्यक्ति का आचरण नहीं बल्कि बीसीआई की संस्थागत कार्यप्रणाली और अदालत के निर्देशों के अनुसार राज्य बार काउंसिल के चुनाव के बाद वैधानिक चुनावी योजना को बहाल करने की आवश्यकता है।

अदालत के समक्ष विवाद 2025 में जारी बीसीआई अधिसूचनाओं पर केंद्रित था, जिसमें मिश्रा और उपाध्यक्ष एस प्रभाकरन को पांच साल का कार्यकाल देने की बात कही गई थी, इस दलील के बावजूद कि बीसीआई नियमों के नियम 12(2) में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के लिए दो साल का कार्यकाल निर्धारित है। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता माधवी दीवान ने पीठ को बताया कि मिश्रा को 2 मार्च, 2025 को सर्वसम्मति से 17 अप्रैल, 2025 से शुरू होने वाले और 16 अप्रैल, 2030 को समाप्त होने वाले कार्यकाल के लिए अध्यक्ष चुना गया था। उन्होंने बताया कि 9 जनवरी, 2025 के एक प्रस्ताव में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के कार्यकाल को तीन साल से बढ़ाकर पांच साल करने की बात कही गई थी, जबकि नियम केवल दो साल निर्धारित करते हैं।

कांग्रेस नेताओं ने भाजपा की संकीर्ण मानसिकता करार देते हुए फैसले का कड़ा विरोध किया

भोपाल। कांग्रेस ने बुधवार को मध्यप्रदेश के राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) का पुनर्गठन कर उसके नाम से पूर्व प्रधानमंत्री का नाम हटाए जाने के भाजपा नीत सरकार के फैसले की कड़ी निन्दा करते हुए इसे सत्तारूढ़ दल की ओछी मानसिकता का प्रतीक करार दिया। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) खुद तो कोई नया काम कर नहीं पाती है और बस कांग्रेस के जमाने के कार्यों की नाम पट्टिकाएं बदलने में लगी रहती है। उन्होंने कहा, ''राजीव गांधी का नाम हटाना भाजपा सरकार की ओछी मानसिकता का प्रतीक हैसारा संसार इस बात का गवाह है कि राजीव गांधी के कार्यकाल में देश ने आधुनिक तकनीक की दुनिया में प्रवेश किया था। सूचना क्रांति और कंप्यूटर के युग का सूत्रपात भी राजीव गांधी ने किया था।

'' मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में मंगलवार को हुई मध्यप्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक में राज्य के सबसे बड़े प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय आरजीपीवी के पुनर्गठन और इसे तीन पृथक-पृथक विश्वविद्यालयों में विभाजित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई थी। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के नाम से पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का नाम भी हटाने का निर्णय लिया गया।

फैसले के मुताबिक तहत भोपाल स्थित वर्तमान आरजीपीवी परिसर को मध्य भारत प्रौद्योगिकी एवं कौशल विश्वविद्यालय के नाम से जाना जाएगा। इसके अलावा, दो अन्य संभागों में नए मुख्यालय बनाए जाएंगे, जिसमें जबलपुर में महाकौशल प्रौद्योगिकी एवं कौशल विश्वविद्यालय और उज्जैन में मालवा प्रौद्योगिकी एवं कौशल विश्वविद्यालय स्थापित होगा।

कमलनाथ ने मध्यप्रदेश सरकार को शिक्षा विरोधी करार देते हुए मुख्यमंत्री से राजीव गांधी का नाम न हटाने का आग्रह किया।उन्होंने कहा, ''मैं यह भी याद दिलाना चाहता हूं कि कल के बाद परसों आता है। अच्छे और बुरे हर काम का हिसाब होता है। हम भी हिसाब करेंगे।

आप नाम बदलकर इतिहास नहीं बदल सकते।'' विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने राज्य सरकार के फैसले की निंदा करते हुए कहा कि देश के लिए शहादत देने वालों का नाम हटाना राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा की साजिश है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार भले नाम हटा दे लेकिन वह राजीव गांधी को लोगों के दिलों से कभी नहीं हटा सकती। पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने भी फैसले की कड़े शब्दों में निंदा की और इसे राजनीतिक विद्वेष से भरा एक कदम बताया।

उन्होंने कहा कि केवल नाम बदल देने से इतिहास के पन्नों और जनता के दिलों से राजीव गांधी के योगदान को मिटाया नहीं जा सकता। सिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने एक सुनियोजित साजिश के तहत ही राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को तीन हिस्सों में बांटने का प्रपंच रचा है, ताकि देश के महान नेता का नाम इस प्रतिष्ठित संस्थान से विलोपित किया जा सके।

इंदौर में जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम की अनुमति न मिलने पर कांग्रेस ने राहुल गांधी के छात्र संवाद कार्यक्रम आगे बढ़ा

इंदौर। कांग्रेस ने बुधवार को कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की अगुवाई में इंदौर में 12 सितंबर को प्रस्तावित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम की तारीख जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजन की अनुमति नहीं मिलने के कारण आगे बढ़ाकर 19 सितंबर कर दी गई है। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस के इस तर्क को खारिज करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के एक पुराने आदेश के तहत नेहरू स्टेडियम में केवल खेलकूद गतिविधियों या राज्यस्तरीय शासकीय कार्यक्रमों के आयोजन की अनुमति है। भाजपा ने यह भी कहा कि प्रमुख विपक्षी दल राहुल गांधी के कार्यक्रम में भीड़ न जुटा पाने की अपनी नाकामी छिपाने के लिए बहानेबाजी कर रहा है। इतिहास

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा नेहरू स्टेडियम उपलब्ध कराने से इनकार किए जाने के बाद अब छात्रों की गूंज कार्यक्रम 12 सितंबर के बजाय 19 सितंबर को आयोजित होगा। पटवारी ने इंदौर में कार्यक्रम की तैयारियों से जुड़ी बैठक के दौरान यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब कार्यक्रम के लिए नया आयोजन स्थल तलाश करके उसे तैयार करेगी।

कांग्रेस 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में इंदौर और आस-पास के 50,000 विद्यार्थियों को जुटाने का प्रयास कर रही है। मध्यप्रदेश के कांग्रेस मामलों के प्रभारी हरीश चौधरी ने कहा,''भाजपा सरकार राहुल गांधी के कार्यक्रम से डर गई है। यही वजह है कि वह नेहरू स्टेडियम में इस कार्यक्रम के आयोजन की अनुमति नहीं दे रही है।'' भाजपा की प्रदेश इकाई के सह मीडिया प्रभारी आलोक दुबे ने कहा कि गांधी के प्रस्तावित कार्यक्रम को विद्यार्थियों का समर्थन नहीं मिल पा रहा और अपनी कमियां छिपाने के लिए कांग्रेस सत्तारूढ़ दल पर झूठे आरोप लगा रही है।उन्होंने कहा,''हमारी सरकार नेहरू स्टेडियम के मामले में उच्च न्यायालय के एक पुराने आदेश का पालन कर रही है।'' नेहरू स्टेडियम नगर निगम के तहत आता है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि उच्च न्यायालय के आदेश के मुताबिक नेहरू स्टेडियम में खेलकूद गतिविधियों या राज्यस्तरीय शासकीय कार्यक्रमों के आयोजन की ही अनुमति दी जा सकती है। उन्होंने कहा, कांग्रेस को यह बात अच्छी तरह पता है कि वह राहुल गांधी के कार्यक्रम के लिए विद्यार्थियों को बड़ी तादाद में जुटा नहीं पाएगी, इसलिए वह बहानेबाजी कर रही है।

गांधी के कार्यक्रम की तारीख में बदलाव की घोषणा से पहले, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पटवारी ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखकर 12 सितंबर को प्रस्तावित कार्यक्रम के लिए नेहरू स्टेडियम उपलब्ध कराने का आग्रह किया था। उन्होंने पत्र में कहा था कि राहुल गांधी का कार्यक्रम कोई सामान्य राजनीतिक आयोजन नहीं, बल्कि देश के भविष्य, युवाओं के सपनों, शिक्षा के अधिकार और शिक्षा व्यवस्था की सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित जनसंवाद है। 'छात्रों की गूंज' कांग्रेस द्वारा शुरू किया गया विद्यार्थी-संवाद अभियान है जिसके तहत देश के अलग-अलग शहरों में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। विपक्षी दल इस अभियान के जरिये प्रश्नपत्र लीक, महंगी शिक्षा, सरकारी भर्तियों में अनियमितताओं और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी को घेरने का प्रयास कर रहा है।

अपन तो कहेंगे पूरब टाइम्स

अपन तो कहेंगे : राहत की सांस मत लो, यह वो प्रजाति है जो परमाणु हमले में भी बच जाती है—सुस्ती दिखाई तो फिर लौटेंगे

उत्तराखंड शुद्धिकरण विवाद बढ़ा, बीजेपी ने राहुल गांधी के लिए किया 'बुद्धि शुद्धि' यज्ञ

हल्द्वानी। उत्तराखंड में मल्लिकार्जुन खड़गे की रैली के बाद कथित 'शुद्धिकरण' विवाद गरमा गया है, जिसके जवाब में बीजेपी ने राहुल गांधी के लिए 'बुद्धि शुद्धि यज्ञ' किया। बीजेपी का आरोप है कि राहुल गांधी और कांग्रेस झूठ फैला रहे हैं, जबकि कांग्रेस ने 'शुद्धिकरण' में शामिल लोगों के खिलाफ एससी/एसटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज करने की मांग कर इस घटना को जातिगत अपमान बताया है।

उत्तराखंड के हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की रैली के बाद एक मैदान में कथित 'शुद्धिकरण' कार्यक्रम को लेकर मंगलवार को राजनीतिक विवाद और बढ़ गया। बीजेपी ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर तंज कसते हुए 'बुद्धि शुद्धि यज्ञ' किया। बीजेपी के अनुसूचित जाति (SC) मोर्चे ने देहरादून के एक मंदिर में 'बुद्धि शुद्धि यज्ञ' किया और इस दौरान राहुल गांधी की तस्वीर भी रखी। पार्टी ने कहा कि इस कार्यक्रम का मकसद राहुल गांधी और कांग्रेस के अन्य नेताओं को बुद्धि देना और झूठ फैलाना बंद करने के लिए प्रेरित करना था।

इस विवाद पर उत्तराखंड के मंत्री भागवत मकवाना ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि राहुल गांधी विपक्ष के नेता हैं और उन्हें मंत्री का दर्जा प्राप्त है। उन्होंने कहा कि अगर कोई मंत्री भी अपराध करता है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बीजेपी का 'बुद्धि शुद्धि यज्ञ' कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा उत्तराखंड भर के पुलिस स्टेशनों में शिकायतें दर्ज कराने के एक दिन बाद हुआ। इन शिकायतों में हल्द्वानी में कथित तौर पर किए गए "शुद्धिकरण" अनुष्ठान में शामिल लोगों के खिलाफ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत FIR दर्ज करने की मांग की गई थी।

कांग्रेस के प्रकोष्ठ 'असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस' ने पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे के उत्तराखंड में कथित अपमान और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किए जाने के विरोध में बुधवार को यहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। असंगठित कामगार कांग्रेस की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, संगठन के अध्यक्ष उदित राज की अगुवाई में किए गए इस प्रदर्शन के दौरान 'मनुस्मृति' की प्रतियां और आरएसएस की ड्रेस को जलाया गया, जिसके बाद पुलिस ने उदित राज तथा अन्य कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया।

गुस्ताखी माफ़

क्यों तंग आकर सड़कों पर उतरा युवा दस्ता!

देश की राजनीति में इन दिनों गजब का सन्नाटा है, क्योंकि अगले चार महीने कोई चुनाव जो नहीं हैं! मोदी जी को विदेश दौरे का चर्राया शौक फिर से ' याद आ गया ; यदि कोई चुनाव नहीं , तो फिर भारत में क्या रखा है? उधर राहुल बाबा, खड़गे मामले में मोदी जी पर स्त्रढ्ढक्रकी मांग करते-करते खुद पर स्त्रढ्ढक्रकरवाकर आराम फरमा रहे हैं। कई सालों से हालात ये हैं कि चुनाव आते ही मोदी जी उपलब्धियां बताने के बजाय नेहरू-गांधी युग के पुराने पाप खोजने बैठ जाते हैं और जब राहुल जी के पास बोलने को कुछ नहीं बचता, तो वह आरएसएस की विचारधारा के पीछे पड़ जाते हैं, जबकि खुद की 'थिंकिंग' किस पटरी पर है, इसका पता गूगल भी नहीं लगा सकता! एक तरफ मोदी जी के भाषणों का पुराना चार्म खत्म, तो दूसरी तरफ राहुल बाबा के बेतुके बोल भी अब बोर करने लगे हैं। हम जैसे , ड्राइंग रूम में बैठकर चाय की चुस्कियों के साथ 'देश सुधारने' वाला अलग ज्ञान पेलते हैं हैं। इस तमाशे से तंग युवा, हैरान है , नाराज़ है कि वर्तमान स्थिति में परिवर्तन के लिये लोग आगे आने की जगह, सत्ता पक्ष या विपक्ष का चश्मा पहन , अपने को भक्त या चमचा बनाकर संतुष्ट हैं. किसी में सच को सच और गलत को गलत कहने का माद्दा ही नहीं बचा, सब 'प्रैक्टिकल' हो चुके हैं। इसलिए भाई, अब युवाओं ने बागी रुख अपना लिया है। वे किसी के भी सही को सही और उसी की गलत बात को गलत कहने का माद्दा रखता है . वो सीधे कह रहे हैं—नेता जी, अब आपका यह पुराना ढर्रा नहीं चलने वाला !

इंजी. मधुर चितलांग्या व्यंगकार व संपादक दैनिक पूरब टाइम्स

सार-संक्षेप

भगवान बलराम जयंती पर हार्दिक शुभकामनाएँ

पूरब टाइम्स दुर्ग। भगवान श्री बलराम जयंती के पावन अवसर पर समस्त देशवासियों एवं विशेष रूप से किसान, श्रमिक तथा अन्नदाता भाइयों-बहनों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

भगवान श्री बलराम जी शक्ति, पराक्रम, परिश्रम और कृषि संस्कृति के प्रतीक हैं। उनका जीवन हमें कर्म, अनुशासन, सत्य एवं धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। भगवान श्री बलराम जी का हल कृषि और अन्न उत्पादन के महत्व का प्रतीक है तथा भारतीय संस्कृति में किसानों के सम्मान को दर्शाता है। आज आवश्यकता है कि हम भगवान श्री बलराम जी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाते हुए समाज में आपसी भाईचारा, सद्भाव और समरसता को मजबूत करें तथा कृषि एवं किसानों के सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। इस पावन अवसर पर भगवान श्री बलराम जी से सभी के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना करता हूँ।

लैब में रील बनाना पड़ा भारी

दुर्ग । जिला अस्पताल की अटल आरोग्य लैब में मरीजों की जांच और स्वास्थ्य सेवाओं के बीच सोशल मीडिया रील बनाना तीन महिला टेक्नीशियनों को भारी पड़ गया।
लैब के अंदर ब्लड सैंपल और जांच उपकरणों के साथ बनाई गई रील सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने मामले को गंभीरता से लिया। कार्रवाई के बाद HLL लाइफ़केयर लिमिटेड ने वीडियो में नजर आ रही तीनों महिला टेक्नीशियनों की सेवाएं समाप्त कर दीं।जानकारी के मुताबिक, तीनों टेक्नीशियनों ने 24 अगस्त को लैब के अंदर रील बनाई थी।

नगरीय क्षेत्रों में पंडाल एवं अस्थाई संरचना निर्माण को लेकर कलेक्टर श्री सिंह की अध्यक्षता में बैठक संपन्न

-सार्वजनिक आयोजनों एवं विसर्जन हेतु बीएसपी, पुलिस व नगरीय निकायों की सहमति से तय हुए कड़े प्रावधान

पूरब टाइम्स दुर्ग। दुर्ग जिले में आगामी त्यौहारों एवं सार्वजनिक आयोजनों के मद्देनजर कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी अभिजीत सिंह ने नगरीय क्षेत्रों के सार्वजनिक स्थानों पर पंडालों एवं अस्थाई संरचनाओं के निर्माण के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के मार्गदर्शिका के तारतम्य में जारी इन निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सभी नगरीय निकायों को निर्देशित किया गया है। विगत मंगलवार को कलेक्टर श्री सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टरेट सभा कक्ष में नगरीय निकायों के अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री विजय अग्रवाल भी सम्मिलित हुए। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने स्पष्ट किया है कि शहर के प्रमुख मार्गों पर पूर्व में जारी प्रतिबंधात्मक आदेशों का अनिवार्य रूप से

पालन किया जाएगा। भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) की भूमि पर किसी भी आयोजन की अनुमति देने से पूर्व बीएसपी प्रबंधन की लिखित अनुमति लेना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही, नगरीय निकायों द्वारा क्षेत्रफल के आधार पर निर्धारित शुल्क लिया जाएगा, जिसकी जानकारी तत्काल कलेक्टर कार्यालय में दी जाएगी और दरों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

इसी क्रम में, सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को सुगम बनाए रखने के लिए प्रत्येक अनुमति से पूर्व पुलिस विभाग का अभिमत अनिवार्य किया गया है। मार्ग बाधित होने की स्थिति में पुलिस की सहमति से वैकल्पिक मार्ग का निर्धारण कर इसकी जानकारी ट्रैफिक पुलिस, तहसीलदार एवं एसडीएम को दी जाएगी और इसका स्पष्ट उल्लेख अनुमति आदेश में भी रहेगा; वैकल्पिक मार्ग न होने पर आयोजन की अनुमति नहीं दी जाएगी। स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु आयोजकों से क्षेत्रफल एवं संभावित भीड़ के आधार पर ष्स्वच्छता सुरक्षा निधिष् जमा कराई जाएगी, जिसे आयोजन के बाद स्थल की साफ-सफाई कर वापस सौंपने पर एक सप्ताह के भीतर बिना ब्याज लौटा दिया जाएगा, अन्यथा सफाई न कराने पर राशि राजसात कर सफाई कार्य कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त, आयोजकों को अनुमानित संख्या के आधार पर पर्याप्त महिला एवं पुरुष शौचालय बनाने होंगे अथवा नगरीय निकाय पृथक शुल्क लेकर यह व्यवस्था उपलब्ध कराएगा।

सुरक्षा के लिहाज से 5000 वर्ग फीट तक के आयोजन में न्यूनतम 8 तथा उससे अधिक क्षेत्रफल के आयोजनों में उसी अनुपात में अच्छी गुणवत्ता के सीसीटीवी कैमरे (कम से कम 3 दिन के रिकॉर्डिंग बैकअप के साथ) प्रवेश, निकास, पार्किंग, मूर्ति स्थल व मनोरंजन क्षेत्रों को कवर करते हुए लगाने अनिवार्य होंगे।

**मुफ्त वितरण वालों को 4 पेज दिया जाएगा
भगुतान में वितरण वालों को 8 पेज दिया जाएगा।**

गणेश व दुर्गा पंडाल के लिए अनुमति लेना होगा अनिवार्य

पूरब टाइम्स रिसाली। धार्मिक, राजनीतिक और सामाजिक आयोजनों को लेकर सड़क किनारे पंडाल लगाने वालों को पहले अनुमति शुल्क के साथ सुरक्षा निधि के रूप में आयोजकों को राशि जमा करनी होगी। इसके बाद ही नगर पालिक निगम रिसाली चिन्हित स्थान पर पंडाल लगाने की अनुमति देगा।

कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देश के बाद निगम आयुक्त मोनिका वर्मा ने इसमें सख्ती बरतनी शुरू कर दी है। बुधवार की सुबह उन्होंने आदेश जारी किया है कि बिना अनुमति के पंडाल लगाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। वही भिलाई इस्पात संयंत्र की जमीन होने पर संयंत्र प्रबंधन से अनुमति लेना अनिवार्य होगा।

पंडाल की वजह से सड़क बाधा और आमजनों को होने वाली परेशानी को रोकने तथा आयोजन में होने वाले क्षति की भरपाई के लिए जिला प्रशासन ने सख्त रूख अपनाया है। कलेक्टर के निर्देश के बाद नगर पालिक निगम रिसाली ने सभी धार्मिक, राजनीतिक और सामाजिक आयोजनों को लेकर अनुमति लेना अनिवार्य कर दिया है। हजार वर्ग फीट से कम या फिर उससे अधिक का एरिया हो, निगम से अनुमति लेना अनिवार्य है।

सेवा सेतु से मात्र 24 घंटे में मिला आय प्रमाण पत्र, आवेदिका जागृति साहू ने जताई खुशी

पूरब टाइम्स दुर्ग। डिजिटल तकनीक और पारदर्शी व्यवस्था से शासकीय सेवाओं को आम नागरिकों तक पहुँचाने में सेवा सेतु अत्यंत कारगर माध्यम साबित हो रहा हैं। इसी कड़ी में नगर पालिका अहिवारा की निवासी जागृति साहू को सेवा सेतु के माध्यम से रिकॉर्ड 24 घंटे के भीतर आय प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है।

हितग्राही जागृति साहू ने बताया कि उन्हें विभिन्न आवश्यक एवं शासकीय कार्यों के लिए आय प्रमाण पत्र की तत्काल आवश्यकता थी। इसके लिए उन्होंने विगत 20 अगस्त 2026 को सेवा सेतु केंद्र, नगर पालिका अहिवारा में आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपना आवेदन जमा किया था। केंद्र के ऑपरेटर द्वारा ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी किए जाने के बाद अगले ही दिन 21 अगस्त 2026 को उनका आय प्रमाण पत्र स्वीकृत होकर जारी कर दिया गया। जागृति साहू ने बेहद कम समय में कार्य पूर्ण होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि पहले किसी भी प्रमाण पत्र को बनवाने में काफी समय लगता था और बार-बार कार्यालयों के चक्कर काटने पड़ते थे। लेकिन अब सेवा सेतु के माध्यम से घर के समीप ही सुगम और त्वरित सेवा मिल रही है। 24 घंटे के भीतर डिजिटल हस्ताक्षरित प्रमाण पत्र मिल जाने से उनके समय और श्रम दोनों की बचत हुई है। उन्होंने नागरिकों को एक ही छत के नीचे पारदर्शी और समयबद्ध शासकीय सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

-अधिकारियों को सौंपे गये विभागीय दायित्वों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण कराने दिये गये निर्देश

पूरब टाइम्स दुर्ग। जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक विगत मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल भी सम्मिलित हुए। कलेक्टर एवं एसएसपी ने संयुक्त रूप से एजेंडावार विभागों को सौंपे गये दायित्वों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। कलेक्टर श्री सिंह ने अधिकारियों को सौंपे गये विभागीय दायित्वों को प्राथमिकता के साथ समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिये। एसएसपी विजय अग्रवाल ने कहा कि वाहन दुर्घटना की रोकथाम हेतु सौंपे गये दायित्वों एवं किये जा रहे उपायों की प्रतिमाह समीक्षा से विगत कुछ माह से सड़क दुर्घटनाओं में कमी आयी है। इसका सुखद परिणाम जिले में वाहन दुर्घटना से होने वाली मृत्यु दर कम हुई है। सभी विभागीय अधिकारी सड़क दुर्घटना की रोकथाम हेतु बेहतर कार्ययोजना के साथ सामजस्यपूर्वक कार्य सुनिश्चित करें।

बैठक के प्रारंभ में विगत बैठक की पालन प्रतिवेदन पर चर्चा की गई। जिसमें एनएचएआई, लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग, लोक निर्माण विभाग भ./स., लोक निर्माण विभाग दुर्ग वि./यां., भिलाई इस्पात संयंत्र, नगर पालिक निगम भिलाई, नगर पालिक निगम चरौदा-भिलाई, नगर पालिक निगम रिसाली, आबकारी विभाग, कार्यपालन अभियंता, सीएसपीडीसीएल दुर्ग, जिला परिवहन विभाग, राजस्व विभाग, रेल्वे विभाग, कार्यपालन अभियंता सेतु संभाग (लो.नि.वि. दुर्ग), क्रेडा विभाग, स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने सड़क सुरक्षा एवं वाहन दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु विभाग को सौंपे दायित्वों के कार्यपूर्णता, अद्यतन प्रगति एवं शासन को प्रस्तावित कार्यो के संबंध में अवगत कराया।

जिला प्रशासन द्वारा सड़क दुर्घटना की रोकथाम हेतु किये गये प्रयास के तहत विभागों द्वारा चिन्हित स्थानों पर हाईमॉस्क लाईट, क्रश बेरियर, रम्बल स्ट्रीट, पार्क कटिंग प्रारंभ एवं बंद करने, डिवाइडर कटिंग बंद करने, डिवाइडर निर्माण, सांकेतिक बोर्ड लगाने, सर्विसलेन निर्माण, प्रकाश व्यवस्था, रेडियम स्टीकर लगाने, बोर्ड मार्किंग, मुख्य मार्ग से शराब दुकान हटाने, वाहन पार्किंग व्यवस्था, अंडरब्रिजों की सफाई व्यवस्था आदि बेहतर कार्य किये गये हैं। अधिकारियों को कार्यपूर्णता पश्चात् समिति को प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये। नगर निगम, पुलिस और राजस्व विभाग के अधिकारियों को मुख्य मार्गो एवं मार्केट स्थलों से अतिक्रमण हटाने की नियमित कार्यवाही करने निर्देशित किया गया।

हर दुकान-दुकान पहुंचेगी कचरा गाड़ी, महापौर अलका बाघमार एवं सभापति श्याम शर्मा ने दिखाई हरी झंडी

-11 नई हॉपर टिप्पर डंपर कचरा कलेक्शन गाड़ियां दुकानों के लिए रवाना,

-2.17 करोड़ की लागत से मिले वाहनों में चार अलग-अलग कम्पार्टमेंट, गीला-सूखा सहित अलग होगा कचरा,

पूरब टाइम्स दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा शहर की स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने तथा स्वच्छता रैंकिंग में शहर को शीर्ष स्थान पर पहुंचाने के उद्देश्य से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में नगर निगम को प्राप्त 11 नई हॉपर टिप्पर डंपर कचरा कलेक्शन गाड़ियों को महापौर अलका बाघमार एवं सभापति श्याम शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर दुकानों से कचरा संग्रहण के लिए रवाना किया।

नई कचरा कलेक्शन गाड़ियां हॉपर टिप्पर डंपर शहर के प्रमुख बाजार एवं व्यापारिक क्षेत्रों में दुकान-दुकान पहुंचकर कचरा संग्रहण करेंगी। इनमें इंदिरा मार्केट, पंचशील नगर, सिकोलाभाठा, गंजपारा, पांच कंडील, चंडी मंदिर क्षेत्र, स्टेशन रोड, ग्रीन चौक, स्टेशन चौक सहित अन्य प्रमुख बाजार क्षेत्र शामिल हैं। इससे दुकानदारों को अपनी दुकान के सामने ही कचरा संग्रहण की सुविधा मिलेगी और बाजार क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

इस अवसर पर लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर एवं स्वास्थ्य प्रभारी नीलेश अग्रवाल ने स्वयं हॉपर टिप्पर डंपर वाहन चलाकर इसके संचालन का शुभारंभ किया।

2.17 करोड़ रुपये की लागत से 11 आधुनिक वाहन-शहर में कचरा संग्रहण एवं स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नगर निगम द्वारा लगभग 2.17 करोड़ रुपये की लागत से 11 हूपर टिप्पर स्वीपर वाहनों की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक वाहन की क्षमता 3.3 घन मीटर होगी तथा वाहन लगभग 1550 किलोग्राम कचरा वहन करने में सक्षम होगा। वाहनों में हाइड्रोलिक सिस्टम एवं टिप्पिंग सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। वाहनों का आरटीओ पंजीयन एवं बीमा भी व्यवस्था में शामिल है।

चार कम्पार्टमेंट में होगा कचरे का पृथक्करण
इन आधुनिक वाहनों में चार अलग-अलग कम्पार्टमेंट बनाए गए हैं, जिनमें गीला कचरा, सूखा कचरा, सैनिटरी वेस्ट तथा हानिकारक (Hazardous) कचरे को अलग-अलग संग्रहित किया जा सकेगा। इससे स्रोत पर कचरे के पृथक्करण के साथ-साथ उसके वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधन में भी सुविधा होगी। वाहनों के साथ तीन वर्ष तक वाहन मेंटेनेंस की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। निगम की इस नई व्यवस्था से शहर की डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के साथ ही बाजार एवं व्यवसायिक क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

इस अवसर पर सभापति श्याम शर्मा, लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, एमआईसी सदस्य नरेंद्र बंजारे, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, नीलेश अग्रवाल, शेखर, शिव नायक, लीलाधर पाल, पार्षद विद्यावती सिंह, ललिता ठाकुर, साजन जोसेफ, मनोज सोनी, लोकेश्वरी ठाकुर, एल्डरमेन नरेश तेजवानी, अनूप सोनी, मदन बढ़ाई, अरुण सिंह, संभव जैन, तुलसा यादव, कार्यपालन अभियंता विनीता वर्मा, स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, शोएब अहमद, सूरज सारथी सहित निगम के अधिकारी-कर्मचारी एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

विद्युत पोल लगने के बाद भी नहीं मिला बिजली कनेक्शन, किसानों ने जनदर्शन में लगाई गुहार

- पट्टे की भूमि पर अवैध निर्माण रोकने की मांग

- रसमड़ा धान उपार्जन केंद्र में भूमि समतलीकरण कराने दिया आवेदन

पूरब टाइम्स दुर्ग। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में अपर कलेक्टर सिल्ली थॉमस भी उपस्थित थीं।

जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, सीसी रोड निर्माण, ऋण पुस्तिका सुधार, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 129 आवेदन प्राप्त हुए। जनदर्शन के दौरान कलेक्टर अभिजीत सिंह ने प्राप्त अनेक आवेदनों पर त्वरित संज्ञान लिया। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को फोन कर प्रकरणों की जानकारी ली और तत्काल आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

इसी कड़ी में खुर्सीपार निवासी ने अपने नाम आबंटित पट्टे की भूमि पर हो रहे कथित अवैध निर्माण पर रोक लगाने की मांग की है। उन्होंने बताया कि उनकी गैर मौजूदगी में भाई ने उनकी पट्टे की जमीन किसी अन्य व्यक्ति को बेच दी, जिसके बाद संबंधित व्यक्ति द्वारा वहां बने झोपड़े को तोड़कर मकान का निर्माण कराया जा रहा है। विरोध करने पर मारपीट और गाली गलौच करता है। आवेदक ने निर्माण तत्काल रुकवाने और भूमि वापस दिलाने की मांग की है। इस पर कलेक्टर ने आयुक्त नगर निगम भिलाई को परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

सेवा सहकारी समिति रसमड़ा ने धान उपार्जन केंद्र के लिए आबंटित भूमि को उपार्जन योग्य बनाने और आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है। समिति के अनुसार ग्राम पंचायत ने अगस्त 2025 में भूमि आबंटन का प्रस्ताव पारित किया था, लेकिन अब तक भूमि का पटाव एवं समतलीकरण नहीं हो सका है। वर्तमान में स्थल पर 5-6 फीट तक जलभराव और ऊबड़-खाबड़ स्थिति बनी हुई है। समिति से करीब 427 किसान जुड़े हैं। समिति ने प्रशासन से भूमि विकास एवं आवश्यक अधोसंरचना उपलब्ध कराने की मांग की है। इस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

ग्राम रवेली, तहसील पाटन के किसानों ने कृषि कार्य के लिए विद्युत कनेक्शन दिलाने आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि विद्युत मंडल जामगांव एम द्वारा पोल लगाया गया है, लेकिन लंबे समय बीत जाने के बाद भी अब तक ट्रांसफार्मर एवं कनेक्शन नहीं दिया गया है। किसानों द्वारा आवश्यक दस्तावेज और शुल्क जमा करने के बावजूद भी बिजली कनेक्शन नहीं मिल पा रहा है, जिससे कृषि कार्य प्रभावित हो रहा है। किसानों ने ट्रांसफार्मर लगाकर कनेक्शन दिलाने की मांग की। इस पर कलेक्टर ने विद्युत विभाग को परीक्षण कर तत्काल आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

धमधा क्षेत्र में 3 आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण को 35.07 लाख की प्रशासनिक स्वीकृति

-पंचदेवरी, सांकरा और मुडपार में बनेंगे नए भवन

-बच्चों को मिलेगी सुरक्षित और बेहतर सुविधा, ग्रामीणों को रोजगारभी

पूरब टाइम्स दुर्ग। विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (जी-राम-जी) योजना के तहत जिले के जनपद पंचायत धमधा क्षेत्र में तीन नए आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन एवं अनुमोदन के बाद जिला पंचायत दुर्ग द्वारा कुल 35.07 लाख के तीन निर्माण कार्यों को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है।

जिला पंचायत दुर्ग के सीईओ बजरंग दुबे ने बताया कि स्वीकृति के तहत ग्राम पंचायत पंचदेवरी, सांकरा और मुडपार में एक-एक आंगनबाड़ी भवन का निर्माण किया जाएगा। प्रत्येक भवन के लिए 11.69 लाख की राशि स्वीकृत की गई है। इन भवनों के निर्माण से आंगनबाड़ी केंद्रों को बेहतर आधारभूत सुविधा मिलेगी और बच्चों के लिए सुरक्षित एवं अनुकूल वातावरण तैयार होगा। प्रशासनिक स्वीकृति के अनुसार तीनों भवनों की कुल अनुमानित लागत 35.07 लाख है। इसमें सामग्री मद के लिए 19.89 लाख तथा अकुशल श्रम मद के लिए 11.07 लाख का प्रावधान किया गया है। योजना के माध्यम से निर्माण कार्य के साथ स्थानीय स्तर पर ग्रामीणों को रोजगार के अवसर भी उपलब्ध होंगे। इसके अतिरिक्त सीईओ श्री दुबे ने बताया कि जी-राम-जी योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराने के साथ-साथ गांवों में आवश्यक सामुदायिक परिसंपत्तियों का निर्माण किया जा रहा है।

आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण से बच्चों को सुरक्षित एवं बेहतर वातावरण मिलेगा। साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से पोषण, स्वास्थ्य देखभाल और प्रारंभिक शिक्षा से जुड़ी सेवाओं का प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि स्थानीय स्तर पर प्राप्त मांग एवं आवश्यकता के आधार पर इन कार्यों को स्वीकृति दी गई है। निर्माण कार्यों से ग्रामीणों को रोजगार मिलने के साथ गांवों में विकास कार्यों को गति मिलेगी और आजीविका के अवसर भी बढ़ेंगे

केंद्रीय विद्यालय दुर्ग में तीन दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर सम्पन्न,

-कक्षा पहली से बारहवीं तक के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण, स्वच्छता व पोषण के प्रति किया जागरूक,

पूरब टाइम्स दुर्ग। नगर पालिक निगम, दुर्ग सीमा क्षेत्र अंतर्गत केंद्रीय विद्यालय, दुर्ग में मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत दुर्ग जिला अर्बन पब्लिक सर्विस सोसाइटी एवं नगर पालिक निगम, दुर्ग के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय नि:शुल्क सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण शिविर सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। शिविर में कक्षा पहली से बारहवीं तक के समस्त विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

मोबाइल मेडिकल यूनिट (रूरू) एवं दाई-दीदी क्लिनिक की चिकित्सकीय टीम ने विद्यालय परिसर में शिविर लगाकर विद्यार्थियों की ऊंचाई, वजन एवं सामान्य स्वास्थ्य की जांच की। चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण के साथ आवश्यक परामर्श दिया गया तथा ब्लड ग्रुप एवं हीमोग्लोबिन जैसी रक्त जांच भी की गई। जरूरत के अनुसार विद्यार्थियों को आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराई गई। इस दौरान विद्यार्थियों को स्वच्छता, पोषण एवं व्यक्तिगत स्वास्थ्य के प्रति जागरूक भी किया गया।

शिक्षकों ने भी कराया स्वास्थ्य परीक्षण
शिविर के दौरान विद्यालय के सभी अध्यापकों ने भी अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया। शिक्षकों के लिए थायराइड, विटामिन ब्12, विटामिन ड3, लिपिड प्रोफाइल, लीवर एवं किडनी फंक्शन टेस्ट, ब्लड शुगर एवं ब्लड प्रेशर सहित विभिन्न आवश्यक स्वास्थ्य जांच की गई।
विद्यालय की प्राचार्या पुष्पा बारा के कुशल मार्गदर्शन एवं सतत सहयोग से तीन दिवसीय स्वास्थ्य शिविर सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर ही स्वस्थ मन और उज्ज्वल भविष्य का आधार है। विद्यालय बच्चों के सर्वांगीण विकास के साथ उनके स्वास्थ्य के प्रति भी सदैव सजग एवं प्रतिबद्ध है।

सिटी संक्षिप्त समाचार

बारिश के मौसम में हर बूंद की सुरक्षा, धमतरी में पेयजल गुणवत्ता की चौकस निगरानी

स्रोत से घर तक सुरक्षित पेयजल की निगरानी, क्लोरीनेशन से लेकर प्रयोगशाला जांच तक बहुस्तरीय व्यवस्था

धमतरी। बारिश की बूंदें जहां खेतों के लिए नई उम्मीद लेकर आती हैं, वहीं मानसून के दौरान पेयजल स्रोतों की सुरक्षा भी एक बड़ी जिम्मेदारी बन जाती है। वर्षा और जलभराव के कारण पेयजल स्रोतों के दूषित होने की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे समय में ग्रामीण परिवारों तक पहुंचने वाला पानी केवल पर्याप्त ही नहीं, बल्कि स्वच्छ और सुरक्षित भी हो—इसी उद्देश्य को केंद्र में रखते हुए धमतरी जिले में पेयजल गुणवत्ता की निगरानी को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है।

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा मानसून अवधि में विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत पेयजल स्रोतों की नियमित निगरानी, आवश्यकतानुसार क्लोरीनेशन, जल टंकियों की साफ-सफाई, ग्राम स्तर पर जल परीक्षण तथा प्रयोगशालाओं में घरेलू जल नमूनों की जांच की जा रही है। यानी जल स्रोत से लेकर ग्रामीण परिवार के घर तक पहुंचने वाले पानी की गुणवत्ता पर नजर रखी जा रही है।

अबुझमाड़ की नई सुबहः जब जंगलों की छांव से निकलकर स्वावलंबन की मिसाल बनीं महिलाएं

रायपुर। बस्तर के सुदूर और दुर्गम अबुझमाड़ के जंगलों से अब बदलाव की एक नई बयार बह रही है। कभी नक्सल के साए और सिर्फ घरेलू चौखट तक सीमित रहने वाली नारायणपुर तथा ओरछा विकासखण्ड की ग्रामीण महिलाएं अब अपने हौसले और कड़ी मेहनत से आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख रही हैं। वन विभाग की एक दूरदर्शी पहल ने इन महिलाओं के सपनों को न सिर्फपंख दिए हैं, बल्कि चक्रिय निधि के माध्यम से उन्हें वित्तीय संबल देकर सफल उद्यमी के रूप में उभारने का काम किया है।

आजीविका गतिविधियों से जुड़कर अपने पैरों पर खड़ी महिलाएं

वर्ष 2026-27 में शासन की मंशानुरूप क्षेत्र के 10 महिला स्व-सहायता समूहों को 37 लाख रुपये की चक्रिय निधि से ऋण उपलब्ध कराया गया। इस आर्थिक मदद ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था में एक नई जान फूंक दी। जय बिहान, जगदम्बा, मां लक्ष्मी, मां शीतला, मां दंतेश्वरी, मां दुर्गा, मां सरस्वती, मां अम्बे और जय वाला कारयो जैसे समूहों से जुड़ी दीदियां आज विभिन्न आजीविका गतिविधियों से जुड़कर अपने पैरों पर खड़ी हैं। कोई जंगलों से इमली और माहुल पत्ता चुनकर दोना-पत्तल बना रही है, तो कोई कच्चे फूलझाड़ू का प्रसंस्करण कर बाजार तक पहुंचा रही है। गृह उद्योग के तहत मसाला निर्माण, बेकरी, कैंटीन और किराना स्टोर के सफल संचालन से इन महिलाओं ने साबित कर दिया है कि अवसर मिले तो वे किसी भी क्षेत्र में कमाल कर सकती हैं।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत द्वारिका सोमनाथ और नागेश्वर जाएंगे 323 श्रद्धालु

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत महासमुंद जिले के श्रद्धालुओं के लिए द्वारिका, सोमनाथ और नागेश्वर की तीर्थयात्रा का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। संशोधित समय-सारणी के अनुसार जिले के चयनित तीर्थयात्री 21 सितंबर से 27 सितंबर 2026 तक इन प्रमुख धार्मिक स्थलों की यात्रा करेंगे। यात्रा के लिए जिले से कुल 323 तीर्थयात्रियों और 9 अनुरक्षकों का चयन किया जाएगा। जिला प्रशासन ने यात्रा को लेकर आवश्यक तैयारियां शुरू कर दी हैं। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने मुख्यमंत्री तीर्थ

दर्शन योजना के तहत होने वाली यात्रा को व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए जिले के संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। उन्होंने जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों और नगरीय निकायों के अधिकारियों को निर्धारित समय के भीतर हितग्राहियों के चयन सहित अन्य सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए हैं। 323 तीर्थयात्रियों का होगा चयन जिला प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार, विकासखंडवार और नगरीय निकायवार निर्धारित सीटों के आधार पर जिले से कुल 323 पात्र तीर्थयात्रियों का चयन किया जाना है। इनके साथ यात्रा के दौरान सहयोग के लिए 9 अनुरक्षक भी शामिल होंगे।

कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि योजना के तहत चयनित होने वाले प्रत्येक हितग्राही की चिकित्सकीय जांच और परीक्षण कराया जाए। स्वास्थ्य परीक्षण में पात्र पाए जाने वाले हितग्राहियों को ही अंतिम सूची में शामिल किया जाएगा। इससे यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा को लेकर आवश्यक सावधानी सुनिश्चित की जा सकेगी।

10 प्रतिशत की बनेगी प्रतीक्षा सूची मुख्य सूची के अलावा चयनित हितग्राहियों की कुल संख्या के 10 प्रतिशत के अनुपात में प्रतीक्षा सूची भी तैयार की जाएगी। किसी कारण से मुख्य सूची में शामिल हितग्राही यात्रा में शामिल नहीं हो पाता है तो नियमानुसार प्रतीक्षा सूची के पात्र हितग्राही को अवसर दिया जा सकेगा। चयनित और प्रतीक्षारत हितग्राहियों की सूची निर्धारित प्रारूप में तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों को सूची की हार्ड कॉपी के साथ सॉफ्ट कॉपी एक्सेल शीट में भी उपलब्ध करानी होगी।

10 सितंबर तक भेजनी होगी सूची कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि चयनित एवं प्रतीक्षारत तीर्थयात्रियों की सूची 10 सितंबर 2026 तक कार्यालय उप संचालक, समाज कल्याण, जिला महासमुंद को भेजना सुनिश्चित करें। इसके लिए समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने को कहा गया है, ताकि यात्रा से पहले सभी प्रशासनिक प्रक्रियाएं पूरी की जा सकें। इसके साथ ही मुख्य सूची और प्रतीक्षा सूची में शामिल सभी पात्र हितग्राहियों का निर्धारित पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीयन कराना भी अनिवार्य किया गया है। संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने कहा गया है कि कोई भी चयनित पात्र हितग्राही पंजीयन से वंचित न रहे।

रायपुर रेलवे स्टेशन से शुरू होगी यात्रा यात्रा के लिए चयनित हितग्राहियों को नियत समय और स्थान पर उपस्थित होने के संबंध में यात्रा शुरू होने से 24 घंटे पहले सूचना दी जाएगी। जिला प्रशासन ने संबंधित जनपद पंचायतों और नगरीय निकायों को आपसी समन्वय के साथ तीर्थयात्रियों को निर्धारित स्थान तक पहुंचाने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। सभी चयनित हितग्राहियों को 21 सितंबर 2026 को रायपुर रेलवे स्टेशन पहुंचाया जाएगा। यहां से श्रद्धालु मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत द्वारिका, सोमनाथ और नागेश्वर की धार्मिक यात्रा के लिए रवाना होंगे।

यात्रा 27 सितंबर तक निर्धारित की गई है। प्रशासन ने संबंधित अधिकारियों को हितग्राहियों के चयन, स्वास्थ्य परीक्षण, ऑनलाइन पंजीयन और रायपुर रेलवे स्टेशन तक पहुंचाने की व्यवस्था समय पर पूरी करने के निर्देश दिए हैं। यात्रा को सुचारू और सुरक्षित बनाने के लिए विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर सभी जरूरी तैयारियां सुनिश्चित की जाएंगी।

वन विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग में प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल किया गया है। शासन ने 64 सहायक वन संरक्षकों की नवीन पदस्थापना का आदेश जारी किया है। यह आदेश 2 सितंबर 2026 को महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर से जारी किया गया।

शासन के आदेश के अनुसार अधिकारियों को प्रशासनिक दृष्टिकोण से उनके नाम के सामने दर्शाई गई नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। सभी पदस्थापनाएं अस्थायी रूप से आगामी आदेश तक प्रभावी रहेंगी।

कई अधिकारियों को वनमंडलों में नई जिम्मेदारी-जारी सूची के अनुसार राम कुमार सिदार को मंडल प्रबंधक, कवर्धा परियोजना, राज्य वन विकास निगम की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं विजेंद्र सिंह ठाकुर को उप वनमंडलाधिकारी बस्तर, अमिता गुप्ता को उप प्रबंधक छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ मुख्यालय और मनोज कुमार विश्वकर्मा को उप वनमंडलाधिकारी बिरगुड़ी, धमतरी पदस्थ किया गया है।इसके अलावा कई अधिकारियों को बस्तर, कांकेर, कोरिया, रायगढ़, सूरजपुर, बीजापुर, राजनांदगांव, दुर्ग, महासमुंद और अन्य वनमंडलों में नई जिम्मेदारियां दी गई हैं।

वन्यजीव और टाइगर रिजर्व से जुड़े पद भी बदले-आदेश में अचानकमार टाइगर रिजर्व, इंद्रावती टाइगर रिजर्व और अन्य वन्यजीव क्षेत्रों से जुड़े अधिकारियों की भी नई पदस्थापना की गई है। राजेंद्र कुमार सोरी को देवभोग उप वनमंडलाधिकारी, विकास चंद्राकर को कानन पेंडारी मिनी जू बिलासपुर का अधीक्षक और मनोज बघेल को दोरनापाल उप वनमंडलाधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है।

वहीं रविंद्र धरही को सहायक वन संरक्षक (वन्यप्राणी), प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) कार्यालय रायपुर में पदस्थ किया गया है। यामिनी पोतदार को सहायक वन संरक्षक (वन मुख्यालय), नवा रायपुर की जिम्मेदारी मिली है।

आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा आदेश-वन विभाग के इस प्रशासनिक फेरबदल के बाद संबंधित अधिकारियों को नई पदस्थापना के अनुसार जिम्मेदारियां संभालनी होंगी। आदेश छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा उनके आदेशानुसार वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के विशेष सचिव जे.पी. पाठक द्वारा जारी किया गया है।

700 सहायक प्राध्यापकों की भर्ती और पदोन्नति प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब न करें

उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने ली समीक्षा बैठक

रायपुर। राज्य में उच्च शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में गति लाने के उद्देश्य से आज उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने विभागीय अधिकारियों की मंत्रालय में समीक्षा बैठक ली। बैठक में 1 जुलाई 2026 को लिए गए निर्णयों पर अब तक हुई कार्यवाही का बिंदुवार क्रियान्वयन की समीक्षा की गया। मंत्री श्री वर्मा ने समयबद्ध कार्यों में देरी पर कड़ी नाराजगी जताते हुए प्रशासनिक ढिलाई को तुरंत दूर करने और पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के सख्त निर्देश दिए। इस बैठक में सचिव श्री अविनाश चंपावत, आयुक्त श्रीमती रीता यादव सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

प्राध्यापक भर्ती और पदोन्नति की समयसीमा तय

बैठक के दौरान राज्य के शासकीय महाविद्यालयों में सत्र 2026-27 के तहत जारी प्रवेश प्रक्रिया का जायजा लिया गया। मंत्री श्री वर्मा ने सहायक प्राध्यापक के 700 पदों पर जारी भर्ती प्रक्रिया की रुकावटों को तत्काल दूर करने तथा प्राध्यापकों के 595 रिक्त पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा।

मुरूमसिल्ली : एशिया का पहला सायफन डैम बारिश में और भी बढ़ जाती ही खूबसूरती

धमतरी । पर्यटन की दृष्टि से छत्तीसगढ़ में कई ऐसे जगह हैं, जो आज पिकनिट स्पॉट के तौर पर मशहूर हैं। बस्तर से लेकर अंबिकापुर तक यहां कई मशहूर जलप्रपात हैं, जो पर्यटकों को अपनी ओर अनायास की आकर्षित करते हैं। इसमें बस्तर का तीरथगढ़ और चित्रकोट जलप्रपात की ख्याति तो देश-विदेशों तक है। चित्रकोट जलप्रपात वैसे तो हर मौसम में दर्शनीय है, लेकिन बारिश के दिनों में इसे देखना अधिक रोमांचकारी अनुभव होता है।

वहीं धमतरी जिले की बात करें तो यहां गंगरेल बांध, दुधावा जलाशय, मुरुमसिल्ली और सोंढूर जलाशय है। सभी जलाशयों की अपनी एक अलग ही विशेषता है। बारिश के समय यहां पर्यटकों की भरमार रहती है। इनमें भी मुरुमसिल्ली जलाशय की अपनी एक अलग ही विशेषता है। मुरुमसिल्ली बांध सिलयारी नदी पर स्थित है। आपको बता दें कि सिलयारी नदी छत्तीसगढ़ की प्रमुख नदी महानदी की एक सहायक नदी है।

ऑटोमेटिक सायफन सिस्टम

मुरुमसिल्ली एशिया का पहला ऐसा बाँध है जिसमें ऑटोमेटिक सायफन सिस्टम (Siphon System) का उपयोग किया गया है। यानी बाँध में पानी एक निश्चित स्तर तक पहुँचने पर इसके गेट अपने आप खुल जाते हैं और अतिरिक्त पानी बाहर निकल जाता है।

100 साल बाद भी वैसा ही मजबूत

1914 से 1923 के बीच निर्मित यह बांध चारों तरफ घने पेड़ों से आच्छादित होने के कारण आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। 100 साल की उम्र बीत जाने के बाद भी इस बांध की मजबूती में कोई फर्क नहीं आया है, और आज भी इनके सभी गेट चालू हालत में हैं। बारिश के मौसम में बांध लबालब होते ही ऑटोमेटिक सायफन गेट से पानी निकलना शुरू हो जाता है।

नामकरण-ब्रिटिश शासनकाल के दौरान यहाँ एक महिला अंग्रेज़ इंजीनियर 'मैडम सिल्ली' थीं, जिनके नाम पर इस बाँध का नाम 'मैडम सिल्ली' (माडमसिल्ली) पड़ा, जिसे स्थानीय बोलचाल में मुरुमसिल्ली कहा जाता है।

मुरुमसिल्ली कैसे पहुंचे

सड़क मार्ग से-मुरुमसिल्ली बांध तक पहुंचने के लिए आप सड़क मार्ग का उपयोग कर सकते हैं। राजधानी रायपुर से यह 95 किलोमीटर दूर सीधे सड़क मार्ग से जुड़ा हुआ है।

हवाई यात्रा से-यदि आप छत्तीसगढ़ के बाहर से आना चाहते हैं तो सबसे नजदीक एयरपोर्ट आपको माना (रायपुर) में स्थित एयरपोर्ट मिलेगा। यहां से आप प्राइवेट कार, टैक्सी लेकर मुरुमसिल्ली बांध जा सकते हैं।

ट्रेन मार्ग से-धमतरी से जिले से 25 किलो मीटर की दूरी पर स्थित मुरुमसिल्ली बांध तक पहुंचने के लिए आप रेलवे का भी सहारा ले सकते हैं। यहां राजधानी रायपुर तक के लिए रेल सेवा उपलब्ध है।

जिला अस्पताल जशपुर में गंभीर मरीजों का सफल उपचार विशेषज्ञ सेवाओं से बची जान

सेप्टिक शॉक में 10 वर्षीय बच्ची को मिला जीवनरक्षक उपचार, एक्टोपिक प्रेग्नेंसी का सफल ऑपरेशन

आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार से जिले में ही मिल रहा गंभीर मरीजों को बेहतर उपचार

रायपुर। जिला चिकित्सालय जशपुर में गंभीर एवं आपातकालीन मरीजों को समय पर विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। चिकित्सकों एवं नर्सिंग टीम की तत्परता, त्वरित चिकित्सकीय निर्णय और बेहतर समन्वय से हाल ही में दो गंभीर मरीजों का सफल उपचार किया गया। सेप्टिक शॉक की गंभीर स्थिति में पहुंची 10 वर्षीय बच्ची को जीवनरक्षक उपचार देकर स्वस्थ किया गया, वहीं एक्टोपिक प्रेग्नेंसी के गंभीर मामले में महिला का सफल ऑपरेशन कर संभावित जानलेवा जटिलताओं से बचाया गया।

इन सफल उपचारों से यह स्पष्ट हुआ है कि जिला चिकित्सालय में गंभीर एवं आपातकालीन मामलों के उपचार के लिए आवश्यक विशेषज्ञ सेवाएं और स्वास्थ्य सुविधाएं लगातार सुदृढ़ हो रही हैं। इससे मरीजों को उपचार के लिए दूरस्थ बड़े चिकित्सा संस्थानों अथवा दूसरे राज्यों में जाने की आवश्यकता कम हो रही है और समय एवं आर्थिक संसाधनों की बचत हो रही है।

सेप्टिक शॉक में गंभीर हालत में पहुंची 10 वर्षीय बच्ची की बची जान-पाकड़टोली, जिला गुमला निवासी 10 वर्षीय संध्या कुमारी को 28 अगस्त 2026 को तेज बुखार, अत्यधिक कमजोरी, सुस्ती एवं बेहोशी की गंभीर स्थिति में जिला चिकित्सालय जशपुर लाया गया। अस्पताल पहुंचने के समय बच्ची का ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर काफी कम था। जांच में किडनी एवं लिवर फंक्शन में भी गंभीर असामान्यताएं पाई गईं। चिकित्सकीय परीक्षण के बाद उसकी स्थिति को सेप्टिक शॉक के रूप में चिन्हित किया गया।

बच्ची की गंभीर स्थिति को देखते हुए बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. पुष्पराज प्रधान (डक् च्मकपंजतपबे) के नेतृत्व में तत्काल उपचार प्रारंभ किया गया। बच्ची को आईवी फ्लूड्स, उच्च श्रेणी की एंटीबायोटिक्स एवं आवश्यक सपोर्टिव उपचार दिया गया। लगातार कम रक्तचाप को नियंत्रित करने के लिए लगभग तीन दिनों तक आवश्यक वेसोएक्टिव एवं जीवनरक्षक सपोर्ट दिया गया।

उपचार के दौरान चिकित्सकीय एवं नर्सिंग टीम द्वारा बच्ची के ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, चेतना की स्थिति सहित अन्य आवश्यक स्वास्थ्य मानकों की लगातार निगरानी की गई। समय पर उपचार और सतत निगरानी के परिणामस्वरूप बच्ची की स्थिति में लगातार सुधार हुआ। वर्तमान में बच्ची हेमोडायनामिक रूप से स्थिर है, पूरी तरह सचेत एवं ओरिएंटेड है तथा उसमें कोई डेंजर साइन नहीं है।

बच्ची के उपचार में अमृता सिंह, संध्या साविता एक्का, अनुपा मिंज, वसुंधरा साय, प्रमिला भगत, रेशमा किस्पोट्टा, अमीना मिंज एवं अंकिता मिंज ने अपनी जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया।

एक्टोपिक प्रेग्नेंसी का जिला अस्पताल में सफल ऑपरेशन-ग्राम घरमुंडा, विकासखंड कुनकुरी निवासी चंद्रिका बाई, पति श्रवण कुमार, को एक्टोपिक प्रेग्नेंसी की गंभीर स्थिति में जिला चिकित्सालय जशपुर में उपचार के लिए लाया गया। जांच में पाया गया कि गर्भावस्था गर्भाशय के बजाय फैलोपियन ट्यूब में विकसित हो रही थी।

एक्टोपिक प्रेग्नेंसी में समय पर उपचार नहीं मिलने पर फैलोपियन ट्यूब के फटने से अत्यधिक आंतरिक रक्तस्राव जैसी गंभीर एवं जानलेवा स्थिति उत्पन्न हो सकती है। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. ममता साय ने तत्काल सर्जिकल उपचार का निर्णय लिया। आवश्यक तैयारियों के बाद महिला का सफल ऑपरेशन किया गया और फैलोपियन ट्यूब में विकसित एक्टोपिक प्रेग्नेंसी का उपचार किया गया।

ऑपरेशन के बाद महिला को चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है और आवश्यक उपचार एवं देखभाल उपलब्ध कराई जा रही है।

चेकमेट एट जशपुर अखिल भारतीय ओपन फिडे रेटेड शतरंज प्रतियोगिता का सफल समापन

-पश्चिम बंगाल के कौस्तुव कुंडू बने विजेता, छत्तीसगढ़ के यशद बम्बेश्वर द्वितीय और महाराष्ट्र के केदार ओंकार तृतीय स्थान पर

-12 राज्यों के 164 खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा, विभिन्न आयु एवं श्रेणियों में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

-शतरंज संयम, एकाग्रता और अनुशासन की सीख देता है: विधायक रायमुनी भगत

रायपुर। जशपुर में पहली बार आयोजित 'चेकमेट एट जशपुरदृअखिल भारतीय ओपन फिडे रेटेड शतरंज प्रतियोगिता 2026' का सफलतापूर्वक समापन हुआ। प्रतियोगिता में पश्चिम बंगाल के कौस्तुव कुंडू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल विजेता का खिताब अपने नाम किया। छत्तीसगढ़ के यशद बम्बेश्वर ने दूसरा तथा महाराष्ट्र के केदार ओंकार ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

चेकमेट एट जशपुर अखिल भारतीय ओपन फिडे रेटेड शतरंज प्रतियोगिता का सफल समापन

पुरानी टोली स्थित कम्युनिटी हॉल में 29 अगस्त से 1 सितंबर तक आयोजित इस चार दिवसीय प्रतियोगिता में देश के 12 राज्यों से 164 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। खिलाड़ियों ने अपनी रणनीतिक क्षमता, एकाग्रता और उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता को रोमांचक बनाया।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि विधायक रायमुनी भगत सहित अन्य अतिथियों ने विभिन्न आयु वर्ग एवं श्रेणियों के विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं पुरस्कार राशि के चेक प्रदान कर सम्मानित किया। प्रतियोगिता का आयोजन जिला प्रशासन, खेल विभाग एवं जशपुर जिला शतरंज संघ के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

शतरंज जीवन में संयम और अनुशासन की सीख देता है: विधायक रायमुनी भगत-

विधायक रायमुनी भगत ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन, खेल विभाग एवं शतरंज संघ को बधाई दी। उन्होंने सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि शतरंज केवल मनोरंजन का खेल नहीं है, बल्कि यह संयम, एकाग्रता, अनुशासन और बुद्धिकौशल विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि जीवन में आने वाली कठिन परिस्थितियों का सामना बुद्धिकौशल, अनुशासन और संयम के साथ करते हुए समय की कद्र करने वाला व्यक्ति सफलता की ओर आगे बढ़ता है।

करेले की उन्नत खेती से चमकी किसान नारायण प्रसाद वर्मा की किस्मत

प्रति एकड़ कमाया 1.07 लाख रुपये का शुद्ध लाभ

रायपुर। पारंपरिक खेती से इतर आधुनिक तकनीकों और उद्यानिकी फसलों को अपनाने से किसानों की तकदीर बदल रही है। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले के विकासखंड बागबाहरा अंतर्गत ग्राम टेंगराही के कृषक नारायण प्रसाद वर्मा ने इसे सच कर दिखाया है। राष्ट्रीय बागवानी मिशन के सहयोग से करेले की व्यावसायिक खेती अपनाकर वे न केवल अपनी आय दोगुनी कर चुके हैं, बल्कि क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणा स्रोत बन गए हैं।

सरकारी अनुदान और योजनाओं का मिला लाभ

युवा किसान की करेले की खेती से किस्मत चमक गई हैए जिसके तहत उन्हें लागत के हिसाब से अच्छा मुनाफा मिल रहा हैं, जिसके लिए वह कई सालों से करेले की खेती कर लाखों रुपए मुनाफा कमा रहे हैं 1.06 हेक्टेयर कृषि भूमि के मालिक श्री वर्मा पहले केवल धान की पारंपरिक खेती करते थे, जिससे सीमित आय प्राप्त होती थी। आय बढ़ाने के उद्देश्य से उन्होंने राष्ट्रीय बागवानी मिशन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत सब्जी क्षेत्र विस्तार योजना का लाभ लिया। योजना के तहत शासन से उन्हें सब्जी क्षेत्र विस्तार हेतु 1 हेक्टेयर क्षेत्र में करेले की खेती के लिए 24,000 का अनुदान मिला। सपोर्ट सिस्टम स्थापना हेतु 0.50 हेक्टेयर क्षेत्र में सपोर्ट सिस्टम लगाने के लिए 5,000 की राशि सीधे डीबीटी (DBT) के माध्यम से उनके खाते में हस्तांतरित की गई।

आधुनिक कृषि तकनीकों ने बढ़ाई उपज

श्री वर्मा ने खेती में नवाचार करते हुए ड्रिप सिंचाई (टपक सिंचाई), प्लास्टिक मल्चिंग और आधुनिक कृषि यंत्रों का उपयोग किया। इससे पानी की भारी बचत हुई और फसल की गुणवत्ता व उत्पादन में अप्रत्याशित वृद्धि दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि करेले की उन्नत और आधुनिक तकनीकों और मचान विधि से खेती करके किसान कम समय में लाखों रुपये का मुनाफा कमा रहे हैं। श्री वर्मा ने बताया कि खेत में नमी बनाए रखने और खरपतवार रोकने के लिए मल्चिंग शीट और पानी की बचत के लिए ड्रिप इरिगेशन, टपका सिंचाई का उपयोग किया जाता है।

ज्ञान-विज्ञान की बातें

इसरो स्पेस में भेज रहा तीसरी आंख! सितंबर में लॉन्च होगा EOS-05 की तैयारी तेज

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) सितंबर 2026 में श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन स्पेस सेंटर से अपने GSLV-F17 रॉकेट के जरिए EOS-05 (GISAT-vA) उपग्रह को लॉन्च करने की तैयारी में है। यह मिशन भारत की पृथ्वी अवलोकन (Earth Observation) क्षमता को मजबूत करने वाला अहम कदम माना जा रहा है।

EOS-05 मिशन क्या है?

EOS-05 एक जियोस्टेशनरी अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट है, जिसे धरती की सतह की निगरानी और तेज गति से तस्वीरें उपलब्ध कराने के लिए तैयार किया गया है। यह उपग्रह अंतरिक्ष से बड़े क्षेत्रों की हाई-रिजॉल्यूशन इमेजिंग करने में सक्षम होगा।

मौसम और आपदा प्रबंधन में मिलेगी मदद

EOS-05 से मिलने वाली तस्वीरों और डेटा का इस्तेमाल कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में किया जा सकेगा

– बाढ़ और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं की निगरानी
-मौसम की बेहतर जानकारी
- कृषि और पर्यावरण प्रबंधन
-भूमि उपयोग की निगरानी
-आपातकालीन स्थिति में तेजी से निर्णय लेने में सहायता
- GSLV-F17 रॉकेट से होगा प्रक्षेपण

इस मिशन में ISRO अपने GSLV Mk-II (F17) रॉकेट का इस्तेमाल करेगा। यह रॉकेट भारी उपग्रहों को जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट में पहुंचाने के लिए बनाया गया है।

भारत की 'आंख' बनेगा EOS-05

EOS-05 को भारत की अंतरिक्ष आधारित निगरानी क्षमता बढ़ाने वाला मिशन माना जा रहा है। जियोस्टेशनरी कक्षा में स्थापित होने के कारण यह लगातार एक बड़े क्षेत्र पर नजर रखने में सक्षम होगा। इसकी मदद से बार-बार पृथ्वी की तस्वीरें लेकर बदलावों का अध्ययन किया जा सकेगा और आपदा के समय तेज सूचना मिल सकेगी।

इसरो के लिए क्यों अहम है यह मिशन?

यह मिशन भारत के रिमोट सेंसिंग और पृथ्वी अवलोकन कार्यक्रम को नई मजबूती देगा। EOS-05 के जरिए इसरो सरकारी एजेंसियों, वैज्ञानिकों और आपदा प्रबंधन संस्थानों को बेहतर डेटा उपलब्ध करा सकेगा।

हमारी रसोई में रोज इस्तेमाल होने वाली कई चीजें जिनमें बैक्टीरिया, फंगस जो सिर्फ बीमारी देते है

हमारी रसोई में रोज इस्तेमाल होने वाली कई चीजें देखने में साफ नजर आती हैं, लेकिन अगर उनकी समय-समय पर सफाई न की जाए या उन्हें लंबे समय तक इस्तेमाल किया जाए, तो उनमें बैक्टीरिया, फंगस और खाने के छोटे-छोटे अवशेष जमा हो सकते हैं। खासकर गीली चीजों और बार-बार हाथों के संपर्क में आने वाली वस्तुओं में कीटाणुओं के पनपने की संभावना बढ़ जाती है।

1. किचन स्पंज

बर्तन साफ करने वाला स्पंज लगातार पानी, खाने के अवशेष और नमी के संपर्क में रहता है। यही वजह है कि अगर इसे ठीक से साफ और सुखाया न जाए, तो इसमें बैक्टीरिया पनप सकते हैं। इसी स्पंज से प्लेट, गिलास और किचन की दूसरी सतहें साफकरने पर कीटाणु दूसरी जगह भी फैल सकते हैं।

क्या करें: स्पंज को इस्तेमाल के बाद अच्छी तरह निचोड़कर सूखने दें और उसे नियमित रूप से बदलते रहें। अगर उसमें बदबू आने लगे या वह बहुत गंदा हो जाए, तो उसे बदल देना बेहतर है।

2. पुराना और खरोंच वाला कटिंग बोर्ड

सब्जियां, फल और कच्चा मांस काटने के लिए इस्तेमाल होने वाले कटिंग बोर्ड पर चाकू के निशान पड़ जाते हैं। इन गहरी खरोंचों में खाने के छोटे टुकड़े और नमी फंस सकती है। खासकर कच्चे मांस और सब्जियों के लिए एक ही बोर्ड इस्तेमाल करने से क्रॉस-कंटैमिनेशन का खतरा बढ़ सकता है।

क्या करें: कटिंग बोर्ड को हर इस्तेमाल के बाद साबुन और पानी से अच्छी तरह धोएं और पूरी तरह सुखाएं। बहुत ज्यादा घिस चुके या गहरी दरारों वाले बोर्ड को बदल दें।

3. गंदे मसाला डिब्बे

मसाले भारतीय रसोई की सबसे जरूरी चीजों में शामिल हैं, लेकिन मसाला डिब्बों के ढक्कन और किनारों की सफाई अक्सर नजरअंदाज हो जाती है। खाना बनाते समय गीले हाथ या चम्मच के संपर्क से यहां नमी और खाने के अवशेष जमा हो सकते हैं।

क्या करें: मसाला डिब्बों और उनके ढक्कनों को नियमित रूप से साफ और पूरी तरह सूखा रखें। मसाले निकालने के लिए हमेशा सूखा चम्मच इस्तेमाल करें।

4. बार-बार गर्म किया गया तेल

तेल को बार-बार तेज तापमान पर गर्म करने से उसकी गुणवत्ता खराब हो सकती है और अवांछित ऑक्सीकरण उत्पाद बन सकते हैं। इसलिए बचा हुआ तेल बार-बार तलने के लिए इस्तेमाल करना अच्छी आदत नहीं है।

क्या करें: तेल को जरूरत के मुताबिक इस्तेमाल करें। अगर तेल का रंग बहुत गहरा हो गया है, उसमें झाग बनने लगा है या वह असामान्य गंध देने लगा है, तो उसे दोबारा इस्तेमाल करने से बचें।

5. गीले किचन के कपड़े

किचन में इस्तेमाल होने वाला कपड़ा अगर लगातार गीला रहता है, तो उसमें सूक्ष्मजीवों के बढ़ने की संभावना रहती है। उसी कपड़े से प्लेट, काउंटर और गीले हाथ पोंछने से गंदगी एक जगह से दूसरी जगह पहुंच सकती है।

क्या करें: किचन के कपड़ों को नियमित रूप से धोएं और पूरी तरह सुखाकर ही दोबारा इस्तेमाल करें। अलग-अलग कामों के लिए अलग कपड़े रखना ज्यादा स्वच्छ तरीका है।

6. फ्रिज में रखा पुराना खाना

फ्रिज में रखने से खाने के खराब होने की प्रक्रिया धीमी होती है, लेकिन खाना हमेशा सुरक्षित नहीं रहता। लंबे समय तक रखा हुआ भोजन, खासकर अगर सही तापमान पर स्टोर न किया गया हो, तो उसमें हानिकारक बैक्टीरिया बढ़ सकते हैं।

क्या करें: बचे हुए भोजन को जल्दी फ्रिज में रखें, उसे ढककर स्टोर करें और बहुत दिनों से रखे भोजन को बिना जांचे खाने से बचें। खाने की गंध या दिखावट सामान्य होने पर भी वह हमेशा सुरक्षित हो, यह जरूरी नहीं है।

7. सिंक और नल के आसपास की गंदगी

किचन सिंक में बर्तन, सब्जियां और खाने के अवशेष लगातार संपर्क में आते हैं। सिंक के आसपास नमी बनी रहने से वहां गंदगी और सूक्ष्मजीव जमा हो सकते हैं। नल के हैंडल पर भी बार-बार गंदे हाथ लगते हैं।

क्या करें: सिंक को रोज साफकरें और आसपास पानी जमा न रहने दें। नल के हैंडल और दूसरी बार-बार छुई जाने वाली सतहों की भी नियमित सफाई करें।

घर के लिए ऋण लेने से पहले अपनी वित्तीय स्थिति का सही आकलन करना अनिवार्य

भारत जैसे देश में अपना घर होना न केवल एक बुनियादी आवश्यकता है, बल्कि यह सामाजिक सुरक्षा और व्यक्तिगत गौरव का प्रतीक भी माना जाता है। आज के समय में संपत्ति की बढ़ती कीमतों को देखते हुए, अधिकांश मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए अपनी जमा पूंजी से सीधा घर खरीदना लगभग असंभव सा हो गया है। इसी आवश्यकता को पूरा करने के लिए विभिन्न बैंक और वित्तीय संस्थान हाउसिंग लोन की सुविधा प्रदान करते हैं।

– **ऋण की सीमा**: बैंक आमतौर पर संपत्ति के कुल बाजार मूल्य का 75% से 90% तक ही हाउसिंग लोन प्रदान करते हैं; शेष राशि का प्रबंध स्वयं करना होता है। वित्तीयनियोजन और प्रबंधन

– **वित्तीय योजना**: घर खरीदने से पहले अपने बजट का सही आकलन करें और होम लोन ईएमआई कैलकुलेटर का उपयोग करके अपनी मासिक किश्तों की योजना बनाएं।

-**पात्रता मानदंड**: ऋण की स्वीकृति मुख्य रूप से आपकी आय की स्थिरता, आयु और 650 से अधिक के अच्छे क्रेडिट स्कोर पर निर्भर करती है।

-**करमें छूट**: भारतसरकार आयकर अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत आवास ऋण के मूलधन और ब्याज भुगतान पर महत्वपूर्ण टैक्स लाभ प्रदान करती है।

– **आवश्यक दस्तावेज**: आवेदन के लिए पहचान पत्र, आय के प्रमाण (वेतन पर्ची/आयकर रिटर्न) और संपत्ति के कानूनी कागजात तैयार रखना अनिवार्य है।

-**अवधि का चयन**: अपनी पुनर्भुगतान क्षमता के अनुसार ऋण की अवधि चुनें। लंबी अवधि में ईएमआई कम होती है, जबकि छोटी अवधि में कुल ब्याज का भुगतान कम करना पड़ता है।

आवास ऋण: एक महत्वपूर्ण वित्तीय कदम- जब आप अपने लिए एक घर चुनने की प्रक्रिया शुरू करते हैं, तो सबसे पहले मन में वित्तीय बजट का विचार आता है। भारत में हाउसिंग लोन लेने की प्रक्रिया पिछले एक दशक में काफी सरल और पारदर्शी हो गई है। डिजिटल क्रांति ने इसे और भी सुगम बना दिया है, जहाँ आप घर बैठे विभिन्न बैंकों की ब्याज दरों की तुलना कर सकते हैं। वित्त

ऋण लेने से पहले अपनी वित्तीय स्थिति का सही आकलन करना अनिवार्य है। आपको यह समझना होगा कि आपकी मासिक आय का कितना हिस्सा ऋण की अदायगी में जाएगा। इसके लिए विशेषज्ञों की सलाह होती है कि आप ऑनलाइन उपलब्ध होम लोन ईएमआई कैलकुलेटर का उपयोग करें। यह उपकरण आपको यह समझने में मदद करता है कि ऋण की राशि, ब्याज दर और समय सीमा के आधार पर आपकी मासिक किश्त कितनी बनेगी। इससे आप भविष्य में आने वाले वित्तीय दबाव से बच सकते हैं।

ऋण के लिए पात्रता और मापदंड

भारत में ऋणदाता संस्थान किसी भी आवेदन को स्वीकार करने से पहले आवेदक की साख की गहन जांच करते हैं। मुख्य रूप से निम्नलिखित बिंदुओं पर ध्यान दिया जाता है:

1. **आय की स्थिरता**: बैंक यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि आप ऋण चुकाने में सक्षम हैं। यदि आप किसी प्रतिष्ठित कंपनी में कार्यरत हैं या आपका अपना सफल व्यवसाय है, तो ऋण मिलने की संभावना अधिक होती है।

2. **साख अंक (क्रेडिट स्कोर)**: आपका पिछला वित्तीय व्यवहार कैसा रहा है, यह आपके साख अंक से पता चलता है। 650 से अधिक का अंक आदर्श माना जाता है।

3. **आयु सीमा**: आमतौर पर 21 वर्ष से 60-65 वर्ष की आयु तक के लोगों को ऋण दिया जाता है। युवा आवेदकों को लंबी अवधि के लिए ऋण मिलने की सुविधा होती है। **हाउसिंग लोन के प्रकार और चयन**

भारतीय बाजार में कई तरह के ऋण विकल्प उपलब्ध हैं। आप अपनी आवश्यकता के अनुसार इनका चयन कर सकते हैं:

-**नया घर खरीदने के लिए ऋण**: यह सबसे प्रचलित प्रकार है, जो नई बनी हुई संपत्ति या निर्माणाधीन परियोजनाओं के लिए दिया जाता है।- गृह सुधार ऋण: यदि आप अपने पुराने घर की मरम्मत या नवीनीकरण करना चाहते हैं, तो इसके लिए भी बैंक धन उपलब्ध कराते हैं।

– **भूमि खरीद ऋण**: कई लोग निवेश के उद्देश्य से या भविष्य में घर बनाने के लिए खाली जमीन खरीदना चाहते हैं, बैंक इसके लिए भी विशिष्ट योजनाएं प्रदान करते हैं।

वित्तीय योजना और प्रबंधन

ऋण लेना केवल धन प्राप्त करना नहीं है, बल्कि अगले 15 से 30 वर्षों के लिए एक जिम्मेदारी स्वीकार करना है। इसलिए, आवेदन करने से पहले आपको अपनी बचत और खर्चों का एक खाका तैयार करना चाहिए। जब आप हाउसिंग लोन के लिए आवेदन करते हैं, तो बैंक संपत्ति के कुल मूल्य का केवल 75 प्रतिशत से 90 प्रतिशत तक ही वित्त पोषित करते हैं। शेष राशि, जिसे 'डाउन पेमेंट' कहा जाता है, उसका प्रबंध आपको अपनी बचत से करना होता है।

अपनी किश्तों की योजना बनाने के लिए होम लोन ईएमआई कैलकुलेटर का सही उपयोग करना बहुत लाभदायक सिद्ध हो सकता है। आप अलग-अलग ब्याज दरों और समय अवधि को डालकर देख सकते हैं कि कौन सा विकल्प आपके मासिक बजट में सटीक बैठता है। उदाहरण के लिए, यदि आप लंबी अवधि चुनते हैं तो आपकी मासिक किश्त कम हो जाएगी, लेकिन कुल ब्याज भुगतान बढ़ जाएगा। इसके विपरीत, छोटी अवधि में किश्तें भारी होंगी परंतु आप कर्ज से जल्दी मुक्त हो पाएंगे।

जियो के 1799 रुपये वाले प्लान पर 84 दिनों की वैधता के साथ प्रतिदिन 3GB डेटा, अनलिमिटेड कॉलिंग और 5G कनेक्टिविटी

बार-बार मोबाइल रिचार्ज से आप भी परेशान हो जाते हैं। अगर आपको फास्ट स्पीट वाला इंटरनेट के साथ ही ओटीटी प्लेटफॉर्म्स का भी शौक है, तो जियो (Jio) का एक दमदार प्लान आपकी ये सारी जरुरतों को आसान कर देंगी।

असल में टेलीकॉम बाजार में धूम मचाने वाला जियो का 1799 रुपये का प्रीपेड प्लान आपको पूरा एंटरटेनमेंट और टेक पैकेज देगा।

84 दिनों तक अनलिमिटेड कॉलिंग और भरपूर डेटा

Jio का यह 1799 रुपये वाला प्रीपेड पैक में ग्राहकों को पूरे 84 दिनों की लंबी वैलिडिटी दी है। इस अवधि में यूजर्स को रोजाना 3GB हाई-स्पीड इंटरनेट मिलेगा, जिसका मतलब है कि आपको ओवरऑल 252GB डेटा मिलेगा। यदि किसी दिन आपका डेली डेटा खत्म हो जाता है, तो भी आपका इंटरनेट बंद नहीं होगा, जबकि यह 64kbps की स्पीड से चलेगा।

सबसे खास बात तो यह है कि 5G नेटवर्क वाले क्षेत्रों में योग्य ग्राहकों को अनलिमिटेड 5G डेटा का फायदा मिलेगा। वहीं, आपको देशभर में किसी भी नेटवर्क पर अनलिमिटेड वॉयस कॉलिंग और रोज 100 SMS भेजने की सुविधा भी मुफ्त मिलती है।

इस प्लान की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसका मनोरंजन पैकेज है। इसमें आपको 84 दिनों के लिए Netflix Basic का मुफ्त एक्सेस मिलेगा। इसके साथ ही, हॉलीवुज फिल्मों और वेब सीरीज के लवर्स के लिए JioHotstar Mobile + Hollywood का सब्सक्रिप्शन प्राप्त होगा। लाइव टीवी देखने के शौकीन लोग Jio Tv का मजा ले सकते हैं।

इसके अलावा, कंपनी इस रिचार्ज के साथ 18 महीने का Google Gemini Pro Plan एकदम फ्री ऑफर दे रहा है। इसमें यूजर्स को 5000GB का विशाल क्लाउड स्टोरेज और Nano Banana जैसे शानदार फीचर्स मिलेंगे। साथ ही JioAICloud का 50GB स्पेस मिलेगा।

मॉनसून में गाड़ी को हुए नुकसान पर बीमा क्लेम कैसे लें? जाने क्या है जरुरी नियम

पूरे भारत में गाड़ी मालिकों के लिए भारी बारिश और सड़कों पर जमा पानी हर साल एक बड़ी मुसीबत बन जाता है। हर मॉनसून में, हज़ारों कारें और दो-पहिया वाहन पानी से भरी सड़कों पर फँस जाते हैं, पेड़ों के गिरने से उन्हें नुकसान पहुँचता है या वे बढ़ते पानी में डूब जाते हैं। इसके बाद सबसे बड़ा सवाल यही उठता है: नुकसान का हर्जाना कौन भरेगा? इसका जवाब मौसम पर कम और आपकी गाड़ी के ग्लव बॉक्स में रखी इंश्योरेंस पॉलिसी पर ज़्यादा निर्भर करता है।

इंश्योरेंस एक्सपर्ट्स का कहना है कि मॉनसून से होने वाले नुकसान के लिए मुआवज़ा मिल सकता है, लेकिन तभी जब गाड़ी 'कॉम्प्रिहेंसिव मोटर इंश्योरेंस पॉलिसी' के तहत कवर हो। जो मालिक सिर्फ़ ज़रूरी 'थर्ड-पार्टी इंश्योरेंस' पर निर्भर हैं, उन्हें अपनी गाड़ी को हुए नुकसान के लिए पैसे वापस मिलने की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। प्रोबस (Probus) के चीफ ग्रोथ ऑफिसर अत्रेय भारद्वाज का कहना है कि बाढ़, भारी बारिश, जल-जमाव और मॉनसून से जुड़ी दूसरी घटनाओं से गाड़ी को होने वाले नुकसान से बचाने के लिए 'कॉम्प्रिहेंसिव पॉलिसी' ज़रूरी है। वे बताते हैं कि बेसिक 'थर्ड-पार्टी पॉलिसी' में मालिक की अपनी कार को हुए नुकसान के लिए कोई सुरक्षा नहीं मिलती है।

गाड़ियों के लिए जल-जमाव (waterlogging) सबसे बड़े खतरों में से एक है। बजाज जनरल इंश्योरेंस के कमर्शियल मामलों के चीफटेक्निकल ऑफिसर, अमरनाथ सक्सेना ने कहा, "हालांकि बाढ़ से होने वाले बाहरी नुकसान को 'ओन डैमेज' मोटर पॉलिसी में कवर किया जाता है, लेकिन पॉलिसीधारकों को 'इंजन प्रोटेक्टर' जैसे ऐड-ऑन कवर पर भी विचार करना चाहिए। यह कवर पानी घुसने से इंजन के अंदर होने वाले नुकसान की भरपाई करता है।"

सक्सेना ने आगे कहा, "अगर गाड़ी बह जाती है या उसकी मरम्मत का खर्च उसकी 'इंस्योर्ड डिक्लेयर्ड वैल्यू' (IDV) के लगभग 75 से 80 प्रतिशत से ज़्यादा हो जाता है, तो पॉलिसी की शर्तों के अनुसार क्लेम का निपटारा 'टोटल लॉस' या 'कंस्ट्रक्टिव टोटल लॉस' के तौर पर किया जा सकता है।" पॉलिसीधारकों को पानी में डूबी गाड़ी को दोबारा स्टार्ट करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए, क्योंकि इससे गाड़ी के इंजन को और नुकसान हो सकता है। इंश्योरेंस कंपनी को तुरंत सूचना देने और गाड़ी को अधिकृत गैराज में ले जाने से क्लेम की प्रक्रिया तेज़ी से पूरी हो सकती है।

ऐसी गलतियाँ जिनसे आपका इंश्योरेंस क्लेम रिजेक्ट हो सकता है

अजीब बात है कि सबसे ज़्यादा नुकसान अक्सर बाढ़ के बाद ही होता है। एक्सपर्ट्स सभी एकमत होकर सलाह देते हैं कि गहरे पानी में बंद हो चुकी गाड़ी को दोबारा स्टार्ट करने की कोशिश न करें। भारद्वाज कहते हैं कि अगर इंजन में पानी चला गया है और मालिक उसे दोबारा स्टार्ट करने की कोशिश करता है, तो इंजन को होने वाले नुकसान को आम तौर पर स्टैंडर्ड कॉम्प्रिहेन्सिव पॉलिसी के तहत 'कॉन्सिक्वेंशियल लॉस' (नतीजतन होने वाला नुकसान) माना जाता है। जब तक गाड़ी में 'इंजन प्रोटेक्शन ऐड-ऑन' न हो, तब तक इंश्योरेंस कंपनी क्लेम के उस हिस्से को रिजेक्ट कर सकती है।

डहुजा भी मालिकों को सलाह देते हैं कि वे पानी में डूबी या बुरी तरह पानी से घिरी गाड़ियों को स्टार्ट न करें, क्योंकि इससे इंजन का नुकसान और बढ़ सकता है, जो शायद बेस पॉलिसी के तहत कवर न हो। जोशी बताते हैं कि पानी से खराब हुए इंजन को बार-बार क्रैंक करने से 'हाइड्रोस्टैटिक लॉक' हो सकता है, जिससे रिपेयर का खर्च काफी बढ़ जाता है।

स्वास्थ्य

बार-बार पेशाब जाना पड़ रहा है और जलन भी है? तो यह गंभीर स्वास्थ्य समस्या है

सर्दियों में बहुत से लोग बार-बार पेशाब आने या पेशाब करते समय जलन की शिकायत करते हैं।

अक्सर लोग मान लेते हैं कि यह सिर्फ ज्यादा पानी पीने की वजह से होता है, लेकिन ऐसा हमेशा नहीं है। बार-बार पेशाब आना और जलन महसूस होना कई बार किसी गंभीर स्वास्थ्य समस्या की ओर इशारा करता है। आइए आसान भाषा में समझते हैं कि ये परेशानी क्यों होती है और इससे बचाव कैसे किया जा सकता है।

UTI – बार-बार पेशाब आने और जलन की सबसे आम वजह

पेशाब में जलन और बार-बार बाथरूम जाने का सबसे बड़ा कारण UTI (Urinary Tract Infection) होता है। यह संक्रमण मूत्राशय, किडनी, मूत्रनली या मूत्रमार्ग कहीं भी हो सकता है। UTI में पेशाब करते समय तेज जलन, बार-बार पेशाब का आना, लोअर एब्डॉमेन में भारीपन या दर्द जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। अगर संक्रमण बढ़ जाए तो बुखार और शरीर में कमजोरी भी महसूस होती है।

सर्दियों में पानी कम पीना परेशानी बढ़ाता है

सर्दियों में लोग आमतौर पर पानी कम पीते हैं और चायङ्कॉफी जैसे कैफीन वाले ड्रिंक ज्यादा ले लेते हैं। इससे शरीर धीरे-धीरे डिहाइड्रेट होने लगता है। जब पानी कम पीया जाता है, तो यूरिन कंसंट्रेट हो जाता है, यानी गाढ़ा हो जाता है। यह स्थिति संक्रमण की संभावना बढ़ाती है और पेशाब करते समय जलन महसूस हो सकती है।

पुरुषों में प्रोस्टेट बढ़ने की वजह से बार-बार पेशाब आना

पुरुषों में प्रोस्टेट ग्रंथि उम्र के साथ बढ़ने लगती है। प्रोस्टेट बढ़ने पर पेशाब का रास्ता संकरा हो जाता है, जिससे बार-बार पेशाब आने की समस्या होती है। रात में ज्यादा बार बाथरूम जाना, पेशाब रुक-रुक कर आना या पूरी तरह खाली न होने का एहसास—ये इस समस्या के प्रमुख संकेत हैं।

किडनी की समस्या या पथरी

किडनी में किसी तरह की दिक्कत, जैसे किडनी स्टोन, भी पेशाब में जलन और बार-बार पेशाब आने का कारण बन सकती है। पथरी होने पर पेशाब तेज पीला, बदबूदार या कभी-कभी खून जैसा भी दिख सकता है। कमर और पेट में तेज दर्द भी होता है।

यौन संचारित संक्रमण (STI)

कुछ मामलों में STI (Sexually Transmitted Infections) जैसे क्लैमाइडिया या गोनोरिया के कारण भी पेशाब में तेज जलन होती है। इसके साथ-साथ असामान्य डिस्चार्ज, निचले पेट में दर्द और पेशाब के दौरान जलन जैसे लक्षण भी दिखाई देते हैं। इस स्थिति में तुरंत डॉक्टर की सलाह और जांच जरूरी होती है।

कैसे बचें? आसान सावधानियां

दिनभर पर्याप्त पानी पिएं: दिन में 7-8 गिलास पानी पीने की कोशिश करें। ज्यादा पानी पीने से यूरिन साफ रहता है और संक्रमण की संभावना कम हो जाती है।

चाय-कॉफी कम करें: कैफीन शरीर में पानी की कमी करता है और ब्लैडर को इरिटेट कर सकता है। इसलिए चाय, कॉफी और एनर्जी ड्रिंक्स कम लें।

साफ-सफाई का ध्यान रखें: टॉयलेट इस्तेमाल के बाद आगे से पीछे की ओर सफाई करें। इससे संक्रमण का खतरा कम होता है।

पेशाब न रोकें: लंबे समय तक पेशाब रोकने से बैक्टीरिया बढ़ सकते हैं और UTI हो सकता है।

कॉटन के अंडरगार्मेंट पहनें: कॉटन के कपड़े हवा पास होने देते हैं और संक्रमण की संभावना कम करते हैं।

जरूरत पड़े तो डॉक्टर से मिलें अगर जलन 1-2 दिन में कम न हो, पेशाब में खून आए या बुखार हो जाए—तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। समय पर जांच और दवा से राहत जल्दी मिलती है।

जायका

घर पर ऐसे बनाएं हलवाई जैसा मूंग दाल का हलवा

कुछ डिशेज खाने का एक अलग ही मजा होता है। अक्सर कुछ न कुछ मीठा खाने की क्रेविंग जरुर होती है। इसलिए आप बाहर का अनहेल्दी खाना छोड़कर घर पर ही टेस्टी डिजर्ट बना सकते हैं। मूंग दाल हलवा खाने का एक अलग ही मजा आता है। वैसे तो मूंग दाल हलवा बनाने में थोड़ी मेहनत ज्यादा लग जाती है, लेकिन इसका टेस्ट लाजवाब होता है। आइए आपको बताते हैं हलवाई जैसा मूंग दाल का हलवा कैसे बनाएं।

सामग्री

- 1/2 कप धुली हुई पीली मूंग दाल
- 1/2 कप देसी घी
- 1/2 से 3/4 कप चीनी (स्वादानुसार)
- 1 कप दूध या दूध और पानी का मिश्रण
- 1/2 कप मावा/खोया
- 1/2 छोटा चम्मच इलायची पाउडर
- कुछ केसर के धागे (गरम दूध में भीगे हुए)
- 2 बड़े चम्मच कटे हुए मेवे (जैसे काजू, बादाम, पिस्ता)

कैसे बनाएं मूंग दाल का हलवा

- सबसे पहले आप मूंग दाल को अच्छे से धोकर 3 से 4 घंटे तक या पूरी रात के लिए पानी में भिगो दें। जब दाल अच्छी तरह से फूल जाए, तो इसे पानी से छान लें।

- इसके बाद भीगी हुई दाल को मिक्सर ग्राइंडर में बिना पानी डाले या बहुत ही कम पानी का इस्तेमाल करके दरदरा पीस लें। इस बात का ध्यान रखें कि पेस्ट एकदम महीन न हो। बल्कि इसमें सूजी जैसा हल्का दाना रहना चाहिए।

- भारी तले की कड़ाही लें और इसमें लगभग 1/2 कप देसी घी डालकर मध्यम आंच पर गर्म कर लें। घी गरम होने पर पिसी हुई दरदरी दाल कड़ाही में डाल दें। आंच को धीमी रखें और दाल को लगातार चलाते रहें। यह स्टेप सबसे जरुरी है और इसके लिए करीब 15 से 25 मिनट समय लग जाएगा।

- दाल को तब तक भूनना चाहिए, जब तक उसका रंग बदलकर सुनहरा पीला न हो जाए और उसमें से हल्की-सी भीनी खुशबू आने न लगे। अच्छी तरह भुन जाने पर दाल दानेदार दिखाई देने लगती है और घी कड़ाही के किनारों से अलग होने लगता है।

- यदि आप हलवे में खोया डालना चाहते हैं, तो इसे हल्का से भूनकर ही दाल में मिलाएं। ऐसा करने से हलवा मलाईदार बनेगा। इसके बाद आंच धीमी करें और इसमें गर्म दूध या दूध और पानी का मिश्रण धीरे-धीरे डालें।

- इसके साथ ही, गर्म दूध में भीगे हुए केसर के धागे भी मिला दें। इस मिश्रण को तुरंत लगातार चलाते रहें ताकि कोई गुठली न बने। दाल खुद ही दूध को सोखना शुरु कर देगी और फूल जाएगी।

- जब दाल दूध को पूरी तरह सोख ले और मिश्रण गाढ़ा होने लगे, तब उसमें स्वादानुसार चीनी और इलायची पाउडर मिलाएं। चीनी के घुलते ही हलवे का मिश्रण थोड़ा पतला हो जाता है, जिससे उसकी बनावट और भी मुलायम हो जाती है।

- इसे तब तक पकाएं जब तक चीनी का पानी पूरी तरह सूख न जाए और हलवा वापस गाढ़ा होकर कड़ाही को छोड़ने न लगे। आखिर में कटे हुए मेवे मिलाएं।

- हलवे की चमक और स्वाद को बढ़ाने के लिए, परोसने से पहले 1 छोटा चम्मच देसी घी ऊपर से डालकर अच्छी तरह से मिला सकते हैं।

- यह लीजिए गरमा-गरम और स्वादिष्ट मूंग दाल का हलवा तैयार है। इसे कटे हुए मेवों से गार्निश करके परोसें।

बच्चों के पैरेंट्स टीचर मीटिंग बच्चे में पढ़ाई में ग्रोथ के साथ पर्सनल प्रोग्रेस से जुड़े सवाल भी पूछे

बच्चों की पढ़ाई में ग्रोथ बताने के लिए स्कूल में पैरेंट्स टीचर मीटिंग होती है। जिसमे आमतौर पर टीचर पैरेंट्स को बच्चों के मार्क्स बताते हैं। वहीं पैरेंट्स अक्सर बच्चों के ग्रोथ को जानना तो चाहते हैं लेकिन सही सवाल नहीं पूछ पाते। जिसकी वजह से उन्हें वहीं पुराने जवाब मिलते हैं कि बच्चा पढ़ाई में अच्छा कर रहा लेकिन बच्चे के बिहेवियर और पर्सनल ग्रोथ को लेकर सही जानकारी नहीं मिल पाती। जिसकी वजह से पैरेंट्स को बच्चे की सही ग्रोथ और डेवलपमेंट के बारे में पता नहीं चलता।

पीटीएम में अगर आपको बच्चे की सही ग्रोथ और डेवलपमेंट के बारे में जानकारी चाहिए तो एजुकेशनिस्ट सुशील मंगेकर ने इन 3 सवाल को पूछने की हिदायत दी है। जिससे बच्चे के बारे में टीचर से आपको सही जानकारी मिल सके और आप उसके पर्सनल ग्रोथ पर वर्क कर सकें।

टीचर से पूछें कि मेरा बच्चा स्कूल में क्या

अवॉएड करता है। इस सवाल के जवाब से पैरेंट्स को बच्चे के डर के बारे में जानकारी मिल सकती है। जैसे कि बच्चा क्लास में बिल्कुल शांत रहता है। तो इसका कारण बच्चा केवल शर्मीला या इंट्रोवर्ट है। ऐसा नही हैं कई बार बच्चे किसी दूसरी चीजों के डर से भी क्लासरूम में शांत बैठते हैं या कम बोलते हैं। जब बच्चे के बारे में आपको इस तरह के सवाल के जवाब मिलेंगे तभी आप बच्चे की पर्सनल ग्रोथ पर वर्क कर पाएंगी। और बच्चा आगे बढ़ पाएगा।

क्लासरूम में बच्चे का फोकस किस चीज पर ज्यादा होता है

इस सवाल के जवाब से आपको बच्चे के फ्यूचर पोटेंशियल का पता चलेगा। कई बार बच्चों की हॉबी का पता भी चल जाता है। जैसे बच्चा कम्यूनिकेट करता है या लिखने, पढ़ने, पेंटिंग या फिर किसी प्रोजेक्ट को बनाने में फोकस करता है। इससे बच्चे के फ्यूचर के बारे में पता चलता है।

बच्चे के दस मिनट

पीटीएम में टीचर से बच्चे के बारे में पूछना है तो एजुकेशनिस्ट ने बताया कि टीचर से पूछें कि वो बच्चे के साथ 10 मिनट एक्सट्रा बिताएंगे तो कौन सी इंप्रूवमेंट करना चाहेंगे। इससे आपको बच्चे की कमी के बारे में पता चलेगा और उसे दूर करने का प्रयास आप पैरेंट्स के तौर पर कर पाएंगे।

जादुई घरेलू DIY मास्क से पाये दमकती त्वचा और मजबूत बाल

स्किन और हेयर्स की देखभाल के लिए हम सभी क्या-क्या नहीं करते हैं। कई तो महंगे-महंगे प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करते हैं, लेकिन फिर भी मनपसंदीदा परिणाम नहीं मिलता है। जिसके चलते कई लोग होम रेमेडीज भी ट्राई करते हैं।

एक ऐसा ही घरेलू ब्यूटी रेमेडीज है, जो बालों और त्वचा दोनों की समस्याओं को एक साथ दूर करता है। हिबिस्कस पाउडर, नीम पाउडर और दही से बना यह DIY मास्क काफी ट्रेंडी है। यह स्किन को डिटॉक्सिफाई करता है, ग्लो बढ़ाता है और बालों को मजबूत व शाइनी बनाता है।

हिबिस्कस में नेचुरल अमीनो एसिड्स होता है, जो बालों को पोषण देता है, नीम में एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैंस जो स्कैल्प और स्किन की गंदगी को हटा देते है। इसके साथ ही दही दोनों को डीप कंडीशन करता है। बता दें कि, यह मास्क एक्ने, डैड्रफ फ्रीजी हेयर, डल स्किन या हेयरफॉल जैसी समस्याओं को लिए बेस्ट है।

जरुरी सामग्री-हिबिस्कस पाउडर, नीम पाउडर,दही, थोड़ा सा गुलाबजल, थोड़ा सा एलोवेरा (वैकल्पिक हेयर के लिए)

कैसे बनाएं यह मल्टी यूज मास्क

सबसे पहले आप बाउल में हिबिस्कस पाउडर और नीम मिलाएं। अब आप इसमें दही और डालें, इसे अच्छे से मिला लें। जिससे एक स्मूथ और गाढ़ा पेस्ट बन जाएं।

स्किन के लिए- इसे पतला करने के लिए गुलाबजल मिला सकते हैं।

हेयर के लिए - दो चम्मच एलोवेरा जेल मिलाएं जिससे कंडीशनिंग बढ़ सके।

स्किन पर लगाने का तरीका

सबसे पहले चेहरे धो लें। इसके बाद इसमें 10-12 मिनट तक लगा रहने दें। इसके बाद हल्के गुनगुने पानी से चेहरा को धो सकते हैं। यह आपकी त्वचा को साफ, शांत और चमकदार बनाता है।

बालों पर कैसे लगाएं

इसको स्कैल्प और पूरे बालों पर जड़ों से लेकर लंबाई तक लगाएं, हेयर मास्क को 20-25 मिनट पर लगाएं। फिर माइल्ड शैंपू से धो लें। इससे हेयर फॉल कम होता है और डैंड्रफकंट्रोल होता है और बाल सॉफ्ट भी होते हैं।

मिलते हैं गजब के फायदे

स्किन क लिए- नीम एक्ने और बैक्टीरिया को दूर करता है, हिबिस्कस स्किन को टाइट और चमकदार बनाता है। दही का यूज चेहरे को ब्राइटनिंग और सूदिंग देता है।

बालों के लिए- हिबिस्कस बालों को मजबूत, घना और शाइनी बनाती है। नीम डैंड्रफ और स्कैल्प इंफेक्शन को रोकता है और दही बालों की डीप कंडीशन करता है।

व्यापार पर लग गई है काली नजर? ज्योतिष और वास्तु शास्त्र इन आसान उपायों से दूर करें नकारात्मकता

अच्छा-खासा फलता-फूलता व्यापार भी कभी-कभी अचानक मंदा पड़ने लगता है। ग्राहकों का आना कम हो जाए, बार-बार नुकसान होने लगे या कर्मचारियों में लगातार विवाद बढ़ जाए। ऐसी स्थितियों को ज्योतिष और वास्तु शास्त्र अक्सर काली नजर या नकारात्मक ऊर्जा का असर मानते हैं। यदि समय रहते सही उपाय न किए जाएं तो इसका असर व्यापार, आर्थिक स्थिति और मानसिक शांति—तीनों पर पड़ता है।

काली नजर लगने पर कैसे पहचानें संकेत?

ज्योतिष के अनुसार, व्यापार पर किसी की बुरी नजर पड़ने पर कुछ स्पष्ट लक्षण दिखने लगते हैं।

कारोबार अचानक धीमा हो जाना

स्टॉक बिकने के बाद भी मुनाफा न होना

कर्मचारियों के बीच अनबन और लड़ाई-झगड़े

दुकान/ऑफिस में बार-बार मशीनें या चीजें खराब होना

ग्राहकों का अचानक कम आना

इन संकेतों को नकारात्मक ऊर्जा या काली नजर का परिणाम माना जाता है। इन्हें पहचानकर सही उपाय करने से स्थिति सुधारी जा सकती है।

कारोबार को बुरी नजर से बचाने के प्रभावी उपाय

नींबू-मिर्च का उपाय

यह सबसे प्रचलित और आसान तरीका है।

मंगलवार या शनिवार को दुकान/ऑफिस के दरवाजे पर नई हरी मिर्च और नींबू टांगें।

जब यह सूख जाए, तो उसी दिन नई मिर्च-नींबू बदल दें।

माना जाता है कि यह उपाय नकारात्मक ऊर्जा को रोककर व्यापार की रक्षा करता है।

कार्यस्थल पर नियमित पूजा-पाठ

अपने पूजा-स्थल पर जिस देवी-देवता में विश्वास हो, उनकी प्रतिमा रखें।

हर सुबह और शाम घी या तेल का दीपक जलाएं।

नियमित पूजा से वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और व्यापार में रौनक लौटती है।

कपूर और लौंग जलाएं

कपूर को वातावरण शुद्ध करने वाला माना गया है।

मंगलवार और शनिवार को कपूर में 2-4 लौंग डालकर जलाएं।

इसकी सुगंध दुकान या ऑफिस से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करती है।

यह उपाय झगड़े, रुकावटें और नुकसान कम करने में सहायक माना जाता है।

गंगाजल का छिड़काव

यदि कार्यस्थल पर भारीपन, उदासी या कोई अनचाहा साया महसूस हो:

दुकान, ऑफिस या घर में गंगाजल का छिड़काव करें।

इसके बाद लोबान जलाएं।

यह वातावरण को शुद्ध कर नजरदोष और नकारात्मक ऊर्जा को दूर करता है।

कभी-कभी व्यापार में नुकसान आर्थिक परिस्थितियों या गलत रणनीति के कारण भी होता है, लेकिन कई लोग इसे काली नजर और ऊर्जा के प्रभाव से जोड़ते हैं। यदि आप भी अपने कारोबार में अचानक रुकावट या गिरावट महसूस कर रहे हैं, तो ये सरल और सुरक्षित ज्योतिषीय उपाय आजमा सकते हैं। माना जाता है कि इनसे वातावरण शुद्ध होता है, सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और व्यापार में फिर से तेजी आने लगती है।

'व्हाइट मार्बल सिटी' के नाम से मशहूर है दुनिया का यह शहर

दुनियाभर में कई ऐसे देश हैं, जिन्होंने अपनी अनोखी खासियत के दम पर लोगों के बीच एक अलग पहचान बनाई है। ऐसे ही खूबसूरत देशों में तुर्कमेनिस्तान की राजधानी अश्गाबात का नाम भी शामिल है। जिसे दुनिया भर में 'व्हाइट मार्बल सिटी' के नाम से भी जाना जाता है। यह शहर देखने में बेहद खूबसूरत और पूरी तरह सफेद मार्बल से ढका हुआ है। यहां हर सड़क से लेकर इमारत तक सूरज की रोशनी को रिफ्लेक्ट करती है, बादल होने पर भी लोगों को सनग्लासेस का यूज करना पड़ता है। आइए जानते हैं क्या है इस देश की खासियत और खूबसूरती।

गाड़ी का रंग भी सफेद

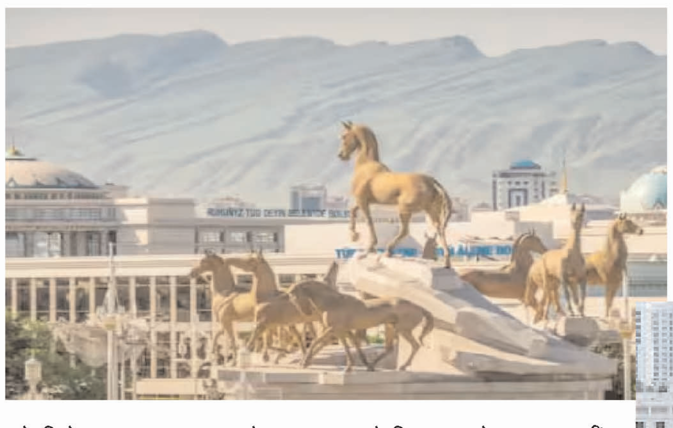

अश्गाबात दुनिया का इकलौता ऐसा अनोखा शहर है, जहां की लाइफ इसके सफेद मार्बल आर्किटेक्चर के इर्द गिर्द ही घूमती रहती है। सफेद मार्बल का सबसे ज्यादा यूज करने की वजह से इस शहर का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी दर्ज है। यहां आपको बिल्डिंग से लेकर फुटपाथ तक सब कुछ सफेद रंग का देखने को मिलेगा। अश्गाबात में सफेद रंग के लिए दीवानगी ऐसी है कि यहां गाड़ियों से लेकर फुटपाथ तक सब कुछ सफेद रंग में रंगा हुआ है। अगर इस शहर में सफेद रंग के अलावा कोई दूसरे रंग की गाड़ी लेकर जाता है तो पुलिस उसकी गाड़ी तुरंत जब्त कर लेती है और कार मालिक पर भारी जुर्माना भी लगाया जाता है। कहा जाता है कि कार को तब तक नहीं छोड़ा जाता जब तक गाड़ी का मालिक कार का पेंट चेंज करवाकर सफेद रंग नहीं कर लेता है।

सूरज की रोशनी होती है रिफ्लेक्ट

कहा जाता है कि अश्गाबात शहर में 2000 के बाद बड़े पैमाने पर रीडेवलपमेंट करते हुए 550 से अधिक मार्बल की बिल्डिंग बनाई गई। पूरा शहर सफेद मार्बल से बने होने के कारण यहां की सड़क से लेकर इमारत तक सूरज की रोशनी को रिफ्लेक्ट करती है, इसलिए बादल होने पर भी सनग्लासेस का इस्तेमाल करना पड़ता है।

क्यों हैं सफेद रंग का कड़ा नियम

सफेद रंग का यह नियम 2018 में लागू किया गया था। बता दें, इस समय के राष्ट्रपति गुरबांगुली बर्दीमुखामेदोव को सफेद रंग काफी ज्यादा पसंद था। कहा जाता है कि गुरबांगुली एक डेंटिस्ट भी थे। जिसकी वजह से उन्हें सफेद रंग बेहद पसंद था। इस शहर में विज्ञापन हो या सजावट की कोई भी चीज, सब कुछ व्हाइट थीम पर ही आधारित होता है। बता दें, यह दुनिया के सबसे महंगे शहरों की सूची में सबसे ऊपर है।

6

प्रसिद्ध संत नीम करौली बाबा के जीवन से प्रेरित हनुमान अंश ने 26 वें दिन रचा इतिहास

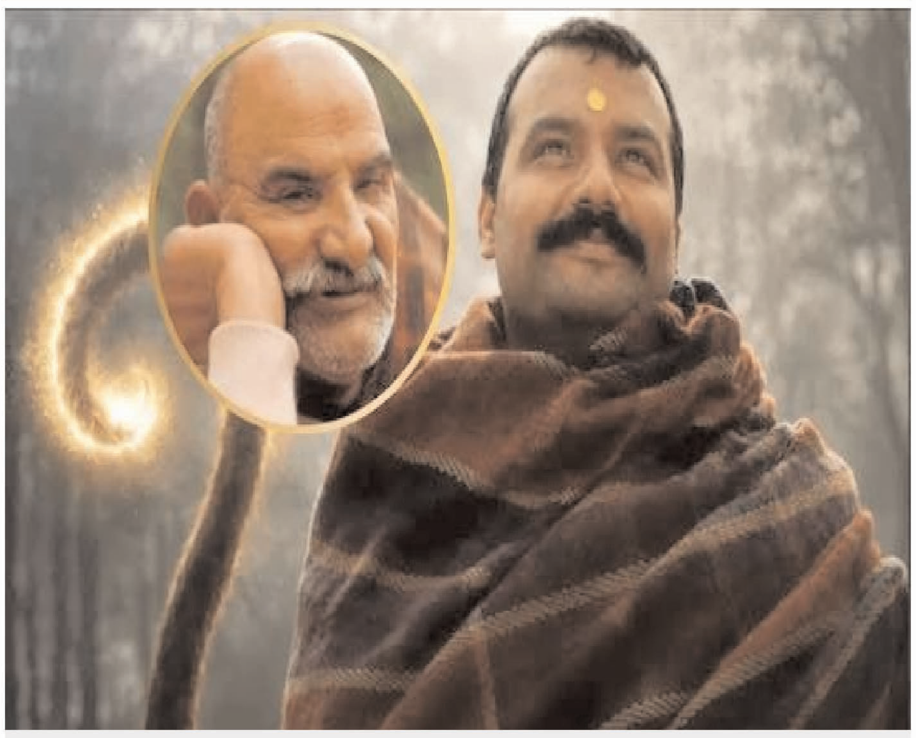

भक्ति और श्रद्धा के रंग में रंगी फिल्म 'हनुमान अंश' ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर एक नया इतिहास रच दिया है। शुरुआत में सिनेमाघरों में बेहद धीमी ओपनिंग के बाद, इस फिल्म ने शानदार वापसी की है। चौथे मंगलवार को फि ल्म की कमाई में अप्रत्याशित उछाल देखा गया, जिसके साथ ही फिल्म ने भारत में 50 करोड़ का जादुई आंकड़ा पार कर लिया है। प्रसिद्ध संत नीम करौली बाबा के जीवन से प्रेरित इस फि ल्म में अभिनेता शोभिनव सत्या की मुख्य भूमिका की हर तरफसराहना हो रही है। इतिहास

'हनुमान अंश' ने 50 करोड़ का आंकड़ा पार किया

आंकड़ों के अनुसार, 26वें दिन 'हनुमान अंश' ने 7,008 शो में 8.50 करोड़ की कमाई की। मंगलवार को फिल्म की ऑक्यूपेंसी 46% रही, जिससे पता चलता है कि चौथे हफ़्ते में भी दर्शकों की दिलचस्पी बनी हुई है।

इस नई कमाई के साथ 'हनुमान अंश' का भारत में कुल नेट कलेक्शन 54.13 करोड़ हो गया है, जबकि भारत में इसका ग्रॉस कलेक्शन 63.82 करोड़ है। इस नई कमाई के साथ फिल्म ने 50 करोड़ का आंकड़ा भी पार कर लिया है।

26वें दिन 'हनुमान अंश' की कमाई में बड़ा उछाल

मंगलवार को फ़िल्म की कमाई, पिछले दिन की 5.50 करोड़ की कमाई के मुकाबले 54.5% ज़्यादा रही। इससे 'हनुमान अंश' को बॉक्स ऑफ़िस पर एक और शानदार दिन मिला और यह साबित हुआ कि फ़िल्म थिएटर्स में चलने के दौरान भी दर्शकों का ध्यान बनाए हुए है।

पहले हफ़्ते में 'हनुमान अंश' की कमाई धीमी रही

'हनुमान अंश' 7 अगस्त, 2026 को थिएटर्स में रिलीज़ हुई थी। फ़िल्म ने पहले दिन 0.10 करोड़ की मामूली शुरुआत की, इसके बाद दूसरे दिन 0.20 करोड़ और तीसरे दिन 0.30 करोड़ कमाए। फिर इसने चौथे दिन 0.10 करोड़, पांचवें दिन 0.13 करोड़, छठे दिन 0.13 करोड़ और सातवें दिन 0.12 करोड़ की कमाई की। फि ल्म का पहले हफ़्ते का कुल कलेक्शन 1.08 करोड़ रहा।

हालांकि, तीसरे हफ़्ते में फ़िल्म की किस्मत बदल गई और लोगों की अच्छी प्रतिक्रिया (पॉज़िटिव वर्ड ऑफ़ माउथ) की वजह से इसकी कमाई में ज़बरदस्त उछाल आया। तब से फ़िल्म बॉक्स ऑफ़िस पर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है।

6 साल बाद दिशा सालियान के पिता सतीश सालियन की याचिका पर बॉम्बे HC ने दिया CBI जांच का आदेश

अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियन की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक अहम और बड़ा फैसला सुनाया है। बुधवार, 2 सितंबर 2026 को जस्टिस सारंग कोतवाल और जस्टिस रंजीतसिंह भोसले की डिवीजन बेंच ने इस मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) को सौंपने का निर्देश दिया। अदालत ने CBI को एक वरिष्ठ और अनुभवी अधिकारी के नेतृत्व में जांच शुरू करने के आदेश दिए हैं। गौरतलब है कि जून 2020 में मुंबई के मलाड स्थित एक बहुमंजिला इमारत की 14वीं मंजिल से गिरकर दिशा सालियन की मौत हो गई थी।

जस्टिस सारंग कोतवाल और जस्टिस रंजीतसिंह भोसले की डिवीजन बेंच ने उनके पिता सतीश सालियन की याचिका पर सुनवाई करते हुए CBI को इस मामले की जांच के लिए एक सीनियर और अनुभवी अधिकारी नियुक्त करने का आदेश दिया। हालांकि, कोर्ट ने यह भी कहा कि जब तक जांच अधिकारी को किसी व्यक्ति के खिलाफठोस सबूत नहीं मिलते, तब तक किसी को आरोपी नहीं माना जाना चाहिए। जजों ने जांच अधिकारी को यह भी आदेश दिया कि अगर कोई संज्ञेय अपराध (cognisable offence) बनता है, तो मामले में जल्द से जल्द चार्जशीट दाखिल की जाए। अगर कोई संज्ञेय अपराध नहीं बनता है, तो जजों ने जांच अधिकारी को सक्षम अदालत के सामने उचित क्लोजर रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया और दिशा के पिता को प्रोटेस्ट पिटीशन (विरोध याचिका) दाखिल करने की छूट दी।

गौरतलब है कि सतीश ने पिछले साल हाई कोर्ट में याचिका दायर कर अपनी बेटी की अचानक मौत के मामले में FIR दर्ज करने की मांग की थी। उनका दावा था कि उनकी बेटी के साथ गैंगरेप हुआ और फिर उसकी हत्या कर दी गई। हालांकि, मुंबई पुलिस का कहना है कि दिशा की मौत ऊंची इमारत से गिरने के कारण हुई थी। आदेश की विस्तृत कॉपी अभी उपलब्ध नहीं कराई गई है।

टॉम क्रूज ने अपनी चर्चित फिल्म डेज ऑफथंडर के सीक्वल का ऐलान किया है, उनके साथ ऐनी हैथवे नजर आएंगी

हॉलीवुड स्टार टॉम क्रूज ने शनिवार को अपनी चर्चित फ़िल्म 'डेज ऑफथंडर' के सीक्वल का ऐलान कर दिया। इस खबर के सामने आने के बाद फ़िल्म एक बार फिर चर्चा में आ गई है। फ़िल्म के नए पार्ट में टॉम क्रूज के साथ ऐनी हैथवे नजर आएंगी। हालांकि, ऐनी हैथवे की कास्टिंग से ओरिजिनल फ़िल्म में अहम भूमिका निभाने वाले अभिनेता रैंडी क्वेड खुश नहीं हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए इस कास्टिंग को गलत फैसला बताया है।

निकोल किडमैन की जगह ऐनी हैथवे

'डेज ऑफथंडर' की पहली फ़िल्म में निकोल किडमैन ने टॉम क्रूज के साथ फीमेल लीड का किरदार निभाया था। अब सीक्वल में निकोल की जगह ऐनी हैथवे को कास्ट किया गया है। रैंडी क्वेड ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर टॉम क्रूज को टैग करते हुए कहा कि फ़िल्म में निकोल किडमैन को वापस लाया जाना चाहिए था। उन्होंने ऐनी हैथवे की कास्टिंग को लेकर भी आपत्ति जताई।

ऐनी हैथवे की प्रेग्नेंसी पर भी किया कमेंट

रैंडी क्वेड ने अपने पोस्ट में ऐनी हैथवे की प्रेग्नेंसी का भी जिक्र किया। ऐनी अपने तीसरे बच्चे की मां बनने वाली हैं। रैंडी ने उनकी कास्टिंग पर सवाल उठाते हुए उनके लुक्स को लेकर भी आपत्तिजनक टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि 'डेज ऑफ थंडर' में टॉम क्रूज के साथ निकोल किडमैन को वापस लाना बेहतर फैसला होता। हालांकि, रैंडी के इन बयानों को लेकर सोशल मीडिया पर भी चर्चा शुरू हो गई है।

ऐनी हैथवे को बताया 'हॉलीवुड ऑडियंस के लिए गलत पसंद'

रैंडी क्वेड ने एक दूसरे पोस्ट में ऐनी हैथवे की कास्टिंग को लेकर और भी कड़ा बयान दिया। उन्होंने उन्हें फ़िल्म के नासकार ऑडियंस के लिए 'गलत पसंद' बताया और दावा किया कि फ़िल्म में टॉम क्रूज के साथ निकोल किडमैन की जोड़ी ज्यादा बेहतर रहती।

उन्होंने पहली फ़िल्म की शूटिंग और एडिटिंग के दिनों को भी याद किया। रैंडी के मुताबिक, उस समय फ़िल्म को जल्द रिलीज करने की कोशिश में एडिटर्स को शिफ्ट में काम करना पड़ता था। उन्होंने यह भी आशंका जताई कि सीक्वल को जल्द रिलीज करने की कोशिश कहीं फ़िल्म के लिए नुकसानदायक न साबित हो।

शेनझेन में आयोजित चाइना मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत के लक्ष्य सेन को कनाडा के विक्टर लाई के खिलाफ सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा

शेनझेन, दो सितंबर भारत के लक्ष्य सेन कनाडा के विक्टर लाई के खिलाफ निराशाजनक प्रदर्शन के कारण बुधवार को यहां चाइना मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के पहले दौर में ही बाहर हो गए, जबकि किदांबी श्रीकांत दूसरे दौर में पहुंचने में सफ़ल रहे। विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने लगातार गलतियां की और विश्व में नौवें नंबर के खिलाड़ी लाई से 38 मिनट में 14-21 7-21 से हार गए। लाई ने पिछले महीने विश्व चैंपियनशिप में अपना दूसरा कांस्य पदक जीता था।

यह लक्ष्य की कनाडाई खिलाड़ी के हाथों तीसरी हार थी। उन्होंने लाई के खिलाफएकमात्र जीत इसी साल मार्च में ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में हासिल की थी। भारत के अनुभवी खिलाड़ी श्रीकांत ने हालांकि पुरुष एकल के एक अन्य मैच में चीनी ताइपे के ची यू जेन को 21-16 21-15 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई।

भारत की मिश्रित युगल जोड़ी ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो ने भी थाईलैंड के टोन्नाकोर्न साएहेंग और टोनिचा साएहेंग को 21-8 21-9 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। लक्ष्य के लिए पिछले कुछ सप्ताह मुश्किल भरे रहे हैं। वह नयी दिल्ली में खेली गई विश्व चैंपियनशिप में भी जल्दी बाहर हो गए थे।

लाई के खिलाफबुधवार को यहां उन्हें शुरू से ही संघर्ष करना पड़ा और उन्होंने लगातार कई गलतियां की जिसका कनाडा के खिलाड़ी ने पूरा फ़ायदा उठाया। पहले गेम में लक्ष्य ने 4-0 से शुरुआती बढ़त बना ली थी, लेकिन लाई ने जल्द ही नियंत्रण हासिल कर लिया। उन्होंने लक्ष्य को लय हासिल नहीं करने दी और आसानी से पहला गेम अपने नाम कर दिया।

लक्ष्य दूसरे गेम में भी किसी भी समय लय में नहीं दिखे और उनकी निराशा बढ़ती गई क्योंकि लाई लगातार दबाव बनाए रखकर उन्हें गलतियां करने के लिए मजबूर करते रहे। लक्ष्य इंटरवल तक 4-11 से पीछे थे और वापसी करने में नाकाम रहे, जिससे कनाडाई खिलाड़ी ने बिना किसी परेशानी के मैच अपने नाम कर लिया।

साउर्न रेलवे ने 4300 से अधिक अप्रेंटिस पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरु चयन लिखित परीक्षा के बिना सीधे 10वीं और

सरकारी नौकरी की चाहत रखने वालों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। दरअसल, भारतीय रेलवे की तरफ से करियर शुरु करने का बेहतरीन मौका है। साउर्थन रेलवे ने 4 हजार से अधिक ज्यादा सीटों के लिए अप्रेंटिसशिप सीटें भरने का ऐलान किया है। यह अपॉर्चुनिटी उन कैंडिडेट्स के लिए अच्छा मौका बन सकती हैं, जिन्हें नौकरी के लिए अच्छी जगह से एक्सीरियंस प्राप्त करना है। पढ़ाई के बाद काम के असल वातावरण में ट्रेनिंग लेने के साथ ही कैंडिडेट्स को रेलवे की तरफ से स्टाइपेंड दिया जाएगा। साउर्थन रेलवे अप्रेंटिस के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरु हो गए हैं। इच्छुक उम्मीदवार ronline.etr-pindia.com पर आवेदन कर सकते हैं।

रेलवे अप्रेंटिस 2026 के लिए योग्यता

- उम्मीदवार को मान्यता प्राप्त बोर्ड से न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ 10वीं पास या समकक्ष योग्यता हासिल की हो। मेडिकल लैबोरट्री टेक्नीशियन (रेडियोलॉजी/पैथोलॉजी/कार्डियोलॉजी) के लिए 50 प्रतिशत अंकों के साथ फ़िजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के साथ 12वीं पास किया हो।
- एक्स-आईटीआई कैटेगिरी के लिए उम्मीदवार ने 10वीं पास की हो, साथ ही संबंधित ट्रेड में आईटीआई किया हो।
- सेक्रेटेरियल असिस्टेंट एंड स्टेनोग्राफर (इंग्लिश) के लिए 12वीं पास के साथ आईटीआई मांगी गई है।
- उम्मीदवार कम से कम उम्र 15 वर्ष और अधिकतम उम्र 22/24 वर्ष तक होनी चाहिए। ऊपरी उम्र नियमानुसार 3 से 15 साल की छूट मिलेगी।

स्टाइपेंड कितना मिलेगा?

अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग के दौरान अभ्यर्थियों को स्टाइपेंड मिलेगा। इसकी राशि फ्रेशर और आईटीआई कैटेगिरी के मुताबिक तय की गई है।

-10वीं पास फ्रेशर- 8200/- प्रति माह
-12वीं पास फ्रेशर- 9600/- प्रति माह
-एक्स-आईटीआई 9600/- प्रति माह

मेरिट बेस्ड सेलेक्शन

इस भर्ती के चलते अभ्यर्थी का चयन बिना किसी लिखित परीक्षा सीधे मेरिट बेस्ड पर किया जाएगा। फ्रेशर कैटेगिरी के लिए अभ्यर्थियों के 10वीं और आईटीआई को मिलाकर मेरिट लिस्ट बनेंगी। एमएलटी के लिए हायर सेकेंडरी फ़िजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ और बायोलॉजी के नंबर देखे जाएंगे। अप्लाई करने की लास्ट डेट 27 सितंबर 2026 है।

वृंदावन के रहस्यमयी निधिवन में रात को होती है राधा-कृष्ण की रासलीला, इसे देखने वाला हो जाता है अंधा

अगर आप जन्माष्टमी के मौके पर वृंदावन जाने का प्लान बना रहे हैं, तो यहां के रहस्यमयी निधिवन जंगल जाना बिल्कुल ना भूलना। निधिवन शायद भारत की सबसे रहस्यमयी जगहों में से एक है।

उत्तर प्रदेश के पवित्र शहर वृंदावन के बीचों-बीच बसा निधिवनका हरा-भरा जंगल रहस्यों और लोक-कथाओं से घिरा हुआ है। यहां घूमने लायक खास जगहों में से एक है रंग महल मंदिर। यह जगह इसलिए मशहूर है क्योंकि यहां कृष्ण अपने हाथों से राधा रानी का श्रृंगार करते हैं।

सुबह सब मिलता है अस्त-व्यस्त

निधिवन के पेड़ छोटे और खोखले हैं और जोड़ों में आपस में लिपटे हुए हैं। भक्तों का मानना है कि रात में हर जोड़ा एक गोपी और उसकी सखी का रूप ले लेता है। शाम की पूजा-अर्चना के बाद, पुजारी वन को बंद कर देते हैं प्रसाद, पानी और राधा-कृष्ण के आराम करने के लिए रंग महल में बिस्तर रख देते हैं, और फिर सब लोग निधिवन से चले जाते हैं।

कहा जाता है कि सुबह होने तक बिस्तर अस्त-व्यस्त मिलता है और पानी व दातून का इस्तेमाल हो चुका होता है।चाहे इसे आस्था कहें या लोककथा, निधिवन वृंदावन का माहौल अविस्मरणीय है।

सूरज डूबने के बाद अंदर रहने की नहीं है इजाजत

कुछ लोगों का मानना है कि निधि वन पर श्राप है। लोक-कथाओं के अनुसार, राधा (कृष्ण की शाश्वत संगिनी) कृष्ण के व्यवहार और दूसरी गोपियों (ग्वालिनों) के साथ उनकी छेड़-छाड़ से नाराज हो गई थीं। इससे उन्हें बहुत गुस्सा आया और उन्होंने पूरे निधि वन को श्राप देकर एक घने जंगल में बदल दिया। उन्होंने श्राप दिया कि सूरज डूबने के बाद वहां कोई भी पक्षी, जानवर या कीड़े-मकोड़े नहीं रह सकेंगे। हज़ारों साल बाद भी आज तक कोई सूरज डूबने के बाद उस जंगल में नहीं जाता। कहा जाता है कि जो कोई भी रात होने के बाद निधि वन में जाता है, उसके साथ कुछ रहस्यमयी होता है। लोग अंधे हो जाते हैं, मर जाते हैं या लकवाग्रस्त हो जाते हैं। उस जंगल से कोई भी वापस आकर अपनी कहानी नहीं बता पाया है।

निधि वन के पेड़ों की बनावट भी है अनोखी

रंग महल के अंदर, मंदिर के पुजारी हर रात आरती के बाद दो टूथब्रश, एक साड़ी, चूड़ियां, पान के पत्ते, एक जग में थोड़ा पवित्र जल और चार मिठाइयां (लड्डू) रखते हैं और बिस्तर तैयार करते हैं। लेकिन सुबह सब कुछ बिखरा हुआ मिलता है, जिससे इस जगह का रहस्य और बढ़ जाता है। निधि वन के पेड़ बहुत छोटे हैं और आपस में उलझे हुए हैं। इनकी बनावट ही इन्हें इतना अनोखा बनाती है।

आम तौर पर पेड़ों की शाखाएं ऊपर की ओर बढ़ती हैं, लेकिन निधि वन में वे नीचे की ओर बढ़ती हैं। हालांकि, समय के साथ शिक्षा और टेक्नोलॉजी के विकास के कारण लोगों की राय बदली है। कई स्थानीय लोग और यहां आने वाले पर्यटक इसे स्थानीय ट्रस्ट और पंडितों की ओर से पैसे कमाने और पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के लिए किया गया एक दिखावा मानते हैं।

सार-संक्षेप

महबूबा मुफ्ती ने जम्मू-कश्मीर प्रशासन पर दोहरा मापदंड का आरोप लगाया

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में भाजपा और नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के कार्यकर्ताओं के प्रदर्शनों के बीच पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को अधिकारियों पर राजनीतिक दलों के प्रदर्शनों को लेकर ''दोहरे मापदंड'' अपनाने का आरोप लगाया। महबूबा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''वही पुलिस जो पीडीपी को जनहित के मुद्दों पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए अपने कार्यालय से बाहर निकलने की अनुमति नहीं देती, उसने भाजपा और नेकां दोनों को एक-दूसरे के खिलाफप्रदर्शन करने में मदद की।'' पूर्व मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी लाल चौक में भाजपा कार्यकर्ताओं के एक बड़े प्रदर्शन के बाद आई। भाजपा कार्यकर्ता केंद्र शासित प्रदेश में नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार के खिलाफप्रदर्शन कर रहे थे।

DVAC ने जाल बिछाकर 1.21 करोड़ रुपये की बेहिसाब नकदी पकड़ा

चेन्नई। तमिलनाडु सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय (डीवीएसी) ने अगस्त महीने में राज्यभर में 1.21 करोड़ रुपये से अधिक की बेहिसाब नकदी और डिजिटल लेनदेन का पता लगाया तथा कई सरकारी अधिकारियों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। डीवीएसी की ओर से जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, एक अगस्त से 31 अगस्त के बीच विभाग ने जाल बिछाकर कार्रवाई की। गिरफ्तार किए गए लोगों में राजस्व मंडल अधिकारी, प्रखंड विकास अधिकारी, सहायक कार्यकारी अभियंता, सहायक अभियंता, कनिष्ठ सहायक, वाणिज्य निरीक्षक, सचिव, ग्राम प्रशासनिक अधिकारी, ग्राम सहायक, पुलिस उप निरीक्षक और सहायक स्तर के कर्मचारी शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि इसी अवधि के दौरान डीवीएसी की टीमों और जिला निरीक्षण प्रकोष्ठ के अधिकारियों ने विभिन्न राज्य सरकारी कार्यालयों में औचक जांच की।

नेपाल में बचाव दलों ने दुर्गम और खतरनाक पहाड़ी इलाके से 7 शवों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने ड्रोन का किया इस्तेमाल

काठमांडू। बाढ़ से तबाह नेपाल के पहाड़ी इलाकों में ड्रोन अब केवल हवाई तस्वीरें खींचने या नक्शे बनाने तक सीमित नहीं रह गए हैं बल्कि वे शवों को भी घरों तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं। 'द काठमांडू पोस्ट' में बुधवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, इस सप्ताह नुवाकोट के देवीघाट-3 से सात शवों को ड्रोन के जरिए देवीघाट-5 पहुंचाया गया। यह इलाका इतना दुर्गम और खतरनाक था कि बचावकर्मी वहां सुरक्षित रूप से नहीं पहुंच सकते थे।
रिपोर्ट में कहा गया कि यह ''ड्रोन की अब तक की सबसे असामान्य भूमिकाओं में से एक'' है। इस अभियान में नेपाल पुलिस, नेपाल सेना और ड्रोन बनाने वाली कंपनी गरुड़एक्स के कर्मी शामिल थे। यह अभियान इस बात का उदाहरण है कि किस तरह मानवरहित हवाई वाहन (यूएवी) नेपाल में आपदा प्रबंधन के दौरान अतिरिक्त मददगार के रूप में तेजी से अपनी भूमिका निभा रहे हैं।

नेपाल में ड्रोन अब केवल फोटोग्राफी और मानचित्रण के उपकरण नहीं रह गए हैं, बल्कि आपदा के समय जीवन रक्षक साधन बनते जा रहे हैं। ये कटे हुए इलाकों में भोजन और दवाइयां पहुंचाने, दुर्गम स्थानों पर जीवित बचे लोगों की तलाश करने और ऐसे स्थानों से शव निकालने में मदद कर रहे हैं, जहां बचावकर्मियों के लिए पहुंचना बेहद जोखिम भरा है। सबसे अधिक प्रभावित इलाकों में शामिल देवीघाट-3 में हाल ही में कृत्रिम मेधा(एआई) से लैस एक ड्रोन ने फंसे हुए ग्रामीणों के ऊपर उड़ान भरी।

ड्रोनसे लाउडस्पीकर के जरिए लोगों से पूछा गया- क्या आपके पास पानी है? भोजन है? दवा है?

ग्रामीणों से जवाब देने के लिए हाथ उठाने को कहा गया। ड्रोन पायलट और एयरलिफ्ट टेक्नोलॉजी के निदेशक मिलन पांडे ने रिपोर्ट में कहा, ''ग्रामीणों की प्रतिक्रिया के आधार पर हम उनकी जरूरतों का आकलन करते हैं और फिर ड्रोन के जरिए सामान भेजते हैं।'' ड्रोन ने लोगों से फोन नंबर या पता बताने को भी कहा, इससे ड्रोन संचालकों को उनकी स्थिति और जरूरतों की पहचान करने में मदद मिली।

हाल की बाढ़ जैसी आपदा में यह व्यवस्था बेहद उपयोगी साबित हुई क्योंकि सड़कें और पुल बह गए हैं तथा उफनती नदियों के कारण कई समुदाय एक-दूसरे से कट गए हैं। पांडे ने कहा, ''हमने तीन दिनों में प्रभावित इलाकों में भोजन समेत कम से कम 1.5 टन आपातकालीन सामग्री पहुंचाई।'' एक अन्य अभियान में 'ऊपरी त्रिशूली-1' जलविद्युत परियोजना की सुरंग के अंदर ड्रोन भेजा गया, जहां बाढ़ के बाद बड़ी संख्या में मजदूरों के फंसे होने की आशंका जताई जा रही थी।

ड्रोन संचालक आदर्श भुसाल ने कहा, ''हम परियोजना के प्लेटफॉर्म-1 तक पहुंचे और देखा कि सुरंग पानी और मलबे से भरी हुई थी।

अयोध्या श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में 3 नए ट्रस्टी नियुक्त

अयोध्या। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने बुधवार को राम मंदिर के प्रशासनिक फेरबदल के तहत तीन नए ट्रस्टी नियुक्त किए। नए ट्रस्टियों में दिल्ली के महेश भागचंदका, अयोध्या के मदन मोहन पांडे और शिकोहाबाद की निर्मला यादव शामिल हैं। खबरों के मुताबिक, महेश भागचंदका विश्व हिंदू परिषद के दिवंगत नेता अशोक सिंघल के रिश्तेदार हैं। राम मंदिर ट्रस्ट की एक अहम बैठक में उनकी नियुक्ति के साथ-साथ पांडे और यादव की नियुक्तियों पर भी चर्चा हुई।

यह बैठक अयोध्या में ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास के आवास, मणि राम दास छावनी में हो रही है। ट्रस्ट के पदाधिकारी अन्य खाली पदों पर नियुक्तियों के बारे में भी चर्चा कर रहे हैं। इस बैठक में एक बड़ा प्रशासनिक फ़ैसला लिए जाने की भी उम्मीद है, क्योंकि ट्रस्ट अपने पहले मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) के नाम की औपचारिक घोषणा करने वाला है। CEO ट्रस्ट के प्रशासनिक कामकाज की देखरेख और राम मंदिर परिसर से जुड़ी अहम ऑपरेशनल ज़िम्मेदारियों को संभालने के लिए ज़िम्मेदार होंगे।

भयानक बाढ़ में चीनी सुपरवाइज़र ने 265 टनल वर्करों को मौत के मुँह में छोड़ा, ख़ुद भाग निकला

26 अगस्त को इलाके में आई भयानक बाढ़ से बच निकले एक वर्कर के मुताबिक, नेपाल के त्रिशूली-3 हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट में काम करने वाला एक चीनी सुपरवाइज़र टनल के अंदर मिली अचानक चेतावनी की जांच करने के लिए बाहर गया था, लेकिन कभी वापस नहीं लौटा। टनल नंबर 3 से बच निकलने वाले कर्मचारियों में से एक, राज छेत्री ने बताया कि जब यह हादसा हुआ, तो अंदर करीब 265 लोग काम कर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि ज़बरदस्त बाढ़ आने से कुछ देर पहले ही कर्मचारियों को कुछ गड़बड़ होने का एहसास हो गया था।

छेत्री ने बताया कि अचानक टनल के अंदर ज़ोरदार आवाज़ हुई, जिससे ऐसा माहौल बन गया जैसे कोई बहुत तेज़ तूफ़ान आ गया हो। उन्होंने तुरंत चीनी सुपरवाइज़र को आगाह किया और बाहर जाने की इजाज़त मांगी। छेत्री के मुताबिक, सुपरवाइज़र ने कर्मचारियों से काम जारी रखने को कहा और कहा कि वह बाहर जाकर देखेंगे कि क्या हो रहा है। इसके बाद सुपरवाइज़र टनल से बाहर चले गए और, जैसा कि छेत्री ने आरोप लगाया, वे कभी वापस नहीं लौटे।

त्रिशूली टनल में आई आफ़त से मची तबाही

छेत्री ने बताया कि कुछ देर बाद ही टनल के ऊपर से पानी और मलबे का ज़बरदस्त बहाव नीचे आने लगा। खतरा भांपते ही, वे और उनके साथी बचने के लिए टनल के एंट्री गेट की तरफ़ भागे। चार वर्कर उनके साथ एंट्री गेट तक पहुँच पाए, लेकिन छेत्री ने बताया कि उनमें से दो अभी भी लापता हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अगर खतरे का पता चलते ही वर्करों को बाहर निकलने का आदेश दिया गया होता, तो कई जानें बचाई जा सकती थीं। छेत्री ने बताया कि बाढ़ के बाद टनल के अंदर कई लाशें पड़ी थीं, जबकि बाहर मौजूद वर्करों को कुछ आवाज़ें भी सुनाई दे रही थीं, जिनसे लग रहा था कि कुछ लोग अभी भी ज़िंदा हैं। उन्होंने हालात को बेहद दुखद बताया और कहा कि जो लोग बच पाए, उनके सामने एक मुश्किल चुनाव था - या तो वे दूसरों को बचाने की कोशिश करते या फिर अपनी जान बचाते।

ईरान ने कुवैत, बहरीन, जॉर्डन और इराक में अमेरिकी ठिकानों पर हमला किया

ईरान अमेरिका में एक बार फिर भीषण जंग की शुरुआत हो चुकी है। ईरान ने अब बहरीन, कुवैत और कतर और साथ में जो आसपास के इलाके हैं वहां पर अमेरिकी बेसों पर एक बार फिर हमला किया है। ट्रंप को सीधी चेतावनी दी है कि अगर अब भी नहीं माने तो ऐसे हमले होंगे जिन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। इधर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से अपडेट यह है कि ट्रंप ने खुली चेतावनी देते हुए कह दिया है कि अभी सबसे बड़ा हमला बाकी है।

अमेरिकी सेना ने ईरान में एक शादी समारोह के दौरान जब निकाह पढ़ाया जा रहा है तो उस समय हमला किया है जिसमें चार लोगों की मौत की खबर है। एक बच्चा भी शामिल है। करीब 50 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। एक शादी समारोह में ईरान भड़क उठा है। ईरान और अमेरिका के बीच में जो पिछले कुछ दिनों से शांत थी एक जंग जो लग रहा था केवल जुबानी जंग है लेकिन ये फिर से दोनों देश आर्म्स के ऊपर लौट आए हैं। मतलब गोला बारूद फिर से बरसने लगे हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि ये युद्ध ना तब पहले बंद हुआ था जब बीच में कहा जा रहा था कि इसमें इस्लामाबाद पैक्ट हो गया। इस्लामाबाद टॉक सफल हो गया। ये सब फरेब था। पिछले दिनों सीआईए के चीफ रूस पहुंचे थे। सीआईए के सीआईए को एक बहुत पुख्ता इनपुट मिला था कि पुतिन एक बड़ा हमला न्यूक्लियर अटैक जैसा यूक्रेन या नाटो कंट्रीज पर कर सकते हैं। सीआईए के चीफ भागे-भागे वहां पर रूसी खुफिया एजेंसी के चीफ से वहां पर मुलाकात होती है। दरअसल मामला यह था कि रशिया यूक्रेन के बीच में पिछले तीन महीनों से जंग बहुत तेज चल रही है। यूक्रेन ने कई बड़े हमले किए।

ताजा हमलों के बीच में डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ा बयान अगला हमला इतना बड़ा होगा, ईरान कुछ नहीं बचेगा

अमेरिका अब ईरान के साथ तनाव काफी बढ़ चुका है. राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में वाशिंगटन ने हालिया हवाई हमलों के जरिए यह साफकर दिया है कि वह किसी समझौते की बजाय सैन्य दबाव को प्राथमिकता दे रहा है. ट्रंप ने स्पष्ट रूप से कहा कि वे ईरान को बातचीत की मेज पर वापस लाने की कोशिश नहीं कर रहे. उनके अनुसार वर्तमान स्थिति अमेरिका के पक्ष में है, जहां वाशिंगटन होर्मुज जलडमरूमध्य पर लगभग पूर्ण नियंत्रण रखता है और ईरान की अर्थव्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो रही है.
मंगलवार को अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने ईरान में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के ठिकानों पर नए हवाई हमले किए. ये हमले बंदर अब्बास, सिरिक और केश्म द्वीप जैसे इलाकों में हुए, जहां धमाकों की आवाजें सुनाई दीं. ट्रंप ने इन हमलों को बड़ा और शक्तिशाली बताया और साथ ही ये चेतावनी दी कि अगर ईरान जवाब देता है तो और भी कड़े तथा बड़े स्तर के हमले होंगे. ट्रंप ने कहा

कि हमला ऐसा होगा कि इस बार ईरान में कुछ नहीं बचेगा. ट्रंप ने कहा कि अगला हमला सबसे बड़ा होगा और उसके बाद इस्लामिक रिपब्लिक ऑफईरान का बड़ा हिस्सा बर्बाद हो जाएगा.

अमेरिका ने ईरानी रेडार नेटवर्क तबाह किया

ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिकी सेना ने ईरान के रडार नेटवर्क को भारी नुकसान पहुंचाया है, जिसमें वे सिस्टम भी शामिल हैं जिन्हें ईरान फिर से खड़ा करने की कोशिश कर रहा था. यह कार्रवाई होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यापारिक जहाजों पर कथित हमलों और क्षेत्र में अमेरिकी सैनिकों के खिलाफईरानी कार्रवाइयों के जवाब में की गई. ट्रंप ने कहा कि अगर तीसरी बार भी ऐसा करना पड़ा तो एक देश के रूप में ईरान का पूरी तरह सफाया हो सकता है. अमेरिकी के एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस जॉर्ज वॉशिंगटन पूरी तरह तैयार बताया गया है. खाड़ी सहयोगी देशों को पहले से जानकारी दे दी गई थी.
ईरान ने जवाब में क्षेत्र के विभिन्न देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों की ओर मिसाइलें दागीं. आईआरजीसी ने चेतावनी दी कि अमेरिका को अपने नए हमलों पर पछताना पड़ेगा. होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे दो तेल टैंकरों पर अज्ञात प्रोजेक्टाइल हमलों ने ऊर्जा मार्ग की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है. इसमें ट्रंप का रुख साफ है वे किसी बेकार समझौते में दिलचस्पी नहीं रखते बल्कि वे वर्तमान दबाव को बनाए रखते हुए ईरानी जनता से पूछ रहे हैं कि वे कब उठकर लड़ेंगे.

7.8% GDP पर खरगे के बयान से गरमाई सियासत

मुंबई। शिवसेना की प्रवक्ता शायना एनसी ने 7.8 फीसदी जीडीपी ग्रोथ को लेकर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा दिए गए बयान पर पलटवार किया. इसके साथ ही कांग्रेस पार्टी की बैठक के लिए राहुल गांधी के नासिक दौरे को लेकर प्रतिक्रिया दी. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 7.8 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि को लेकर एक्स पर पोस्ट में कहा था कि "लाइट्स. कैमरा और निष्क्रियता. जब अर्थव्यवस्था की बात आती है तो पीएम मोदी के प्रचार की यही कहानी है."

खरगे के इस बयान पर शिवसेना की प्रवक्ता शायना एनसी ने आईएएनएस से कहा, "खरगे सिर्फएक तरह की जीडीपी समझते हैं और वह है 'गांधी परिवार डेवलपमेंट प्रोग्राम.' जब वह पीआर फैक्ट्री की बात करते हैं, तो उन्हें पता होना चाहिए कि 7.8 फीसदी की ग्रोथ रेट फैक्ट्री में नहीं बल्कि खेतों और दुकानों में हासिल होती है, न कि कांग्रेस की प्रेस कांफ्रेंस में. कांग्रेस के शासनकाल में 4 फीसदी की ग्रोथ रेट को चमत्कार माना जाता था लेकिन आज वे 7.8 फीसदी की ग्रोथ रेट को 'पीआर' कहते हैं. यह पीआर नहीं, पेट में दर्द है. जब अमेरिका के 50 फीसदी टैरिफ और यूक्रेन/ईरान में चल रहे युद्ध के बावजूद हम 7.8 फीसदी की ग्रोथ रेट पर हैं, इसे पीआर नहीं बल्कि पीएम मोदी का परफार्मेंस कहा जाना चाहिए."
उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना द्वारा 'धनुष-बाण' चुनाव चिह्न को फ्रीज करने की मांग पर शायना एनसी ने कहा, "धनुष-बाण का निशान खरीदा नहीं गया था, यह 2022 में संघर्ष से हासिल हुआ था, जब लोग एकजुट हुए थे. बालासाहेब कहा करते थे कि जिसके पास सैनिक होते हैं, सेना उसी की होती है. आज जब 60 विधायक और 13 सांसद हैं और स्थानीय निकायों में एकनाथ शिंदे की तारीफहो रही है, तो यह सेना किसकी है? सच तो यह है कि धनुष-बाण सिर्फ एक निशान नहीं है बल्कि यह एक विचारधारा है, एक भरोसा है जो 60 सालों में बना है. एक ऑटो-रिक्शा ड्राइवर हो या वड़ा-पाव बेचने वाला, वे सभी जानते हैं कि धनुष-बाण का मतलब एकनाथ शिंदे का समर्थन है।

नासिक में कांग्रेस की बैठक पर शायना एनसी ने कहा, "राहुल गांधी, महाराष्ट्र में आपका स्वागत है. आप नासिक आए हैं, सुला वाइनयार्ड्स जाइए, कुंभ मेला देखिए लेकिन झूठ मत फैलाइए. नासिक के छात्र समझदार हैं, वे 'व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी' से शिक्षा नहीं लेते. अपने काम के सिलसिले में महाराष्ट्र में आपका जरूर स्वागत है लेकिन जब भी आप आएं, तो इस बारे में भी बताएं कि आपके क्या विचार हैं जब भारत 7.8 फीसदी जीडीपी ग्रोथ हासिल कर रहा है, 10 करोड़ नौकरियां पैदा कर रहा है और चंद्रयान तक पहुंच रहा है.

प्राकृतिक आरोग्य रस

हमारे यहां जवारा, आंवला, लौकी, करेली, बीट (चुकन्दर), नीम का ताजा रस मिलता है।

अंकुरित अनाज, अलसी और सभी प्रकार के अचार मिलते हैं।

स्थान-

1. नेहरू नगर, गुरूद्वारा रोड, भेलवा पार्क के पास, संपर्क- 8962668141

2. सेक्टर-1 अंबेडकर पार्क के सामने, संपर्क- 8349688865

क्या आपको पता है भारत कितना पुराना देश है? जानें इसका पूरा इतिहास

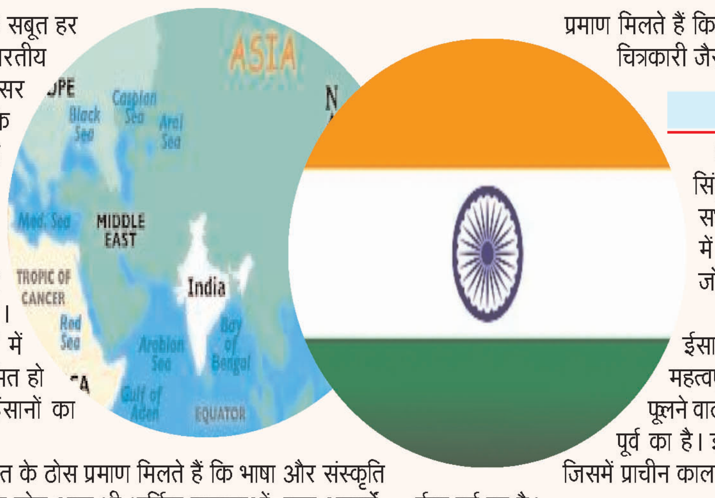

भारत का इतिहास काफी पुराना है। इसके सबूत हर बार कहीं न कहीं से मिलते रहते हैं। भारतीय सभ्यता कितनी पुरानी है इसे लेकर अक्सर बहस छिड़ जाती है। कुछ लोग कहते है कि आर्यों की संस्कृति ज्यादा पुरानी नहीं है और वो इसी मुद्दे पर बहस करते रहते हैं। लेकिन कई पुरातात्विक रिसर्च से पता लगता है कि भारत का इतिहास हजारों नहीं बल्कि लाखों-करोड़ों साल पुराना है और इस बात के प्रमाण मिलते हैं कि भारतीय उपमहाद्वीप में। विशेषकर नर्मदा नदी के आसपास के क्षेत्रों में जहां तब मानव सभ्यता और संस्कृति विकसित हो चुकी थी, जब आधी से ज्यादा धरती पर इंसानों का अस्तित्व ही नहीं था।

अगर बात ग्रंथों की करें तो ग्रथों में इस बात के ठोस प्रमाण मिलते हैं कि भाषा और संस्कृति का उद्गम भारत से ही हुआ है। सारी दुनिया के लोग आज भी धार्मिक मान्यताओं, उच्च आदर्शों, आध्यात्मिकता और सामाजिक गठन की प्रक्रियों से संबंधित विभिन्न प्रकार के उदाहरणों और स्रोतों को खोजने और उन पर अध्ययन करने के लिए भारत आते रहते हैं।

पुरा पाषाण काल में चित्रकारी जैसी कला

यदि हम भारत के इतिहास की शुरुआत को पुरा पाषाण काल से भी मानते हैं तो यह काल 35,000 ईसा पूर्व से 9,000 ईसा पूर्व तक चला था। भारतीय उपमहाद्वीप के अलावा दुनिया के अन्य हिस्सों में इस काल के दौरान मानव सभ्यता के कोई खास प्रमाण नहीं मिलते। दुनियाभर के इतिहासकारों का मानना है कि इस काल में व्यक्ति को किसी भी प्रकार की कला का कोई ज्ञान नहीं था। लेकिन, भीम बैठका की गुफाओं में की गई उस समय की चित्रकारी से इस बात के ठोस प्रमाण मिलते हैं कि भारतीय उपमहाद्वीप में उस समय की मानव सभ्यता को चित्रकारी जैसी कला का ज्ञान था।

वर्ल्ड पॉपुलेशन रिव्यू की रिपोर्ट

वर्ल्ड पॉपुलेशन रिव्यू (WPR) के मुताबिक, भारत पहले सिंधु घाटी के नाम से भी जाना जाता था। भारत में मानव सभ्यता की शुरुआत कब हुई, यह कहना मुश्किल है। क्षेत्र में मानव जीवन के शुरुआती संकेत मद्रासी संस्कृति के हैं, जो लगभग 500,000 साल पहले थे।

क्षेत्र में संगठित सभ्यता के पहले संकेत लगभग 7570 ईसा पूर्व के हैं। यह भिरराना समय अवधि थी और इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण विकास हुआ। सिंधु घाटी सभ्यता वास्तव में फलने-फूलने वाली इस क्षेत्र की पहली सभ्यता थी। यह लगभग 3300 ईसा पूर्व का है। इसने विभिन्न प्रकार के शासक राजवंशों को जन्म दिया, जिसमें प्राचीन काल से शास्त्रीय काल के साथ नंद वंश था, जो लगभग 345 ईसा पूर्व का है।

भारत का स्वर्ण युग

वर्ल्ड पॉपुलेशन रिव्यू की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत का स्वर्ण युग गुप्त साम्राज्य को माना जाता है। यह एक ऐसा समय है जब भारत ने इस क्षेत्र पर जबरदस्त नियंत्रण और प्रभाव डाला। उन्होंने हिंदू और बौद्ध धर्म सहित पूरे एशिया में सांस्कृतिक को खूब फैलाया। इसके अलावा, भारत ने यूरोप और चीन के बीच एक प्रवेश द्वार के रूप में काम किया।

परिणामस्वरूप, इस दौरान भारत की अर्थव्यवस्था खूब फली-फूली। भारत का स्वर्ण युग चौथी शताब्दी से छठी शताब्दी तक चला। जबकि इस समय के बाद भारत का प्रभाव कम हो गया, पर यह महाद्वीप के मामलों में एक प्रमुख शक्ति बना रहा।

जयपुर का पर्यटकों की पसंद बना 'चायसा' कैफे

जयपुर। जयपुर अपने किलों महलों, सुंदर हवेलियों और इमारतों के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध हैं. जहां आज भी लोगों ने इन खास इमारतों की सुंदरता को बरकरार रखा हैं. जहां इन इमारतों में बेहतरीन रेस्तरां, होटल्स और कैफे खुले हुए हैं जो जयपुर में पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहते हैं. खासतौर जयपुर का चारदीवारी बाजार जहां की पुरानी इमारतें आज पर्यटकों के सिर्फटूरिज्म के लिहाज से नहीं बल्कि यहां की सुंदरता के लिहाज से भी खास हैं. जहां बाजारों से जयपुर के चारदीवारी बाजार का सुंदर नजारा लोगों को सबसे ज्यादा आकर्षित करता हैं.

ऐसे ही जयपुर के चौड़ा रास्ता में स्थित 'चायसा' केफै जो बेहतरीन चाय के साथ लोगों को यहां से जयपुर की सुंदरता और हेरिटेज को लुक देखने को मिलता हैं, इसलिए लोग इस केफै में चाय की चुस्कियां लेने के लिए पहुंचते हैं. लोकल-18 ने जयपुर के इस चायसा केफै में पहुंच कर यहां के लोगों से बात की तो वह बताते हैं कि नाम में ही चायसा हैं. मतलब हमारी चाय का स्वाद लोगों को खूब पंसद आता हैं. जिसकी शुरुआत 40 साल पहले हुई थी जयपुर में अलग-अलग जगहों पर चायसा के केफै हैं, लेकिन लोगों को गुलाबी नगर की सुंदरता के साथ यहां चाय का आनंद मिलता हैं. जो उनके लिए किसी यादगार पल से कम नहीं रहता.

प्रातः दैनिक
e-paper- www.poorabtimes.com गुरूवार, 3 सितम्बर, 2026 मूल्य- 2/- डाक पंजीयन : छ.ग./दुर्ग/66/2025-27

पूरब टाइम्स

जिसे सब छुपाते हैं ... उसे हम छापते हैं...

वर्ष 15, अंक - 54 RNI/CHHBIL/44259 |छत्तीसगढ़ से प्रसारित नं.-1 लोकल दैनिक अखबार

COMPU WORLD
The Complete Computer Shop

CONTACT US:-
Phone : 0788-4050844, 4083358
Cell No. : 9300256476, 9165157570, 9826169140
Email : ravikidukan@gmail.com
16/21, Dakshin Gangotri, Circus Ground Road, Supela (C.G.)
154-156, Akash Ganga, Supela,Bhilai (C.G.)

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से अन्नू तिवारी को मिला मातृत्व के दौरान आर्थिक संबल

योजना की सहायता राशि से पोषण संबंधी जरूरतें हुई पूरी

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संचालित प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को मातृत्व के दौरान आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर उनके स्वास्थ्य और पोषण को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। योजना के माध्यम से मिलने वाली सहायता राशि से महिलाओं को गर्भावस्था एवं प्रसव के बाद पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करने में सहूलियत मिल रही है। अम्बिकापुर निवासी अन्नू तिवारी भी योजना से लाभान्वित होकर अपने मातृत्व काल को सुरक्षित और बेहतर तरीके से पूरा कर रही हैं। अन्नू तिवारी ने बताया कि पहली बार गर्भवती होने पर उन्हें आंगनवाड़ी केंद्र के माध्यम से प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की जानकारी मिली। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के मार्गदर्शन में उन्होंने आवश्यक प्रपत्र भरकर योजना का लाभ लिया। आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें चरणबद्ध रूप से आर्थिक सहायता प्राप्त हुई। उन्होंने बताया कि योजना के तहत सबसे पहले उन्हें एक हजार रुपये की राशि प्राप्त हुई। इसके बाद दो हजार रुपये की सहायता मिली। प्रसव के बाद शिशु को निर्धारित तीन टीके लगने के पश्चात उन्हें पुन: दो हजार रुपये की राशि प्राप्त हुई। इस प्रकार योजना के अंतर्गत प्राप्त आर्थिक सहायता का उपयोग उन्होंने गर्भावस्था और प्रसव के बाद अपने खान-पान तथा पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में किया।

बाल विवाह रोकथाम को लेकर जागरूकता अभियान

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के उन्मूलन और बच्चों के अधिकारों एवं संरक्षण को लेकर जागरूकता अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जांजगीर-चांपा जिले में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिवनी एवं हाई स्कूल कुलीपोटा में बाल विवाह रोकथाम एवं बाल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को बाल विवाह के दुष्परिणामों, कानूनी प्रावधानों तथा इसके सामाजिक प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। जिला बाल संरक्षण अधिकारी गजेन्द्र जायसवाल ने बताया कि बाल विवाह बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के तहत बालिका की न्यूनतम विवाह आयु 18 वर्ष तथा बालक की न्यूनतम विवाह आयु 21 वर्ष निर्धारित है। निर्धारित आयु से पहले विवाह कराना अथवा उसमें सहयोग करना कानूनन दंडनीय अपराध है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जशपुर को सड़क विकास की बड़ी सौगात

-खरकट्टा-कोडेकेला मार्ग के निर्माण के लिए 6.30 करोड़ रुपये से अधिक की प्रशासकीय स्वीकृति

-6.20 किलोमीटर सड़क का पुल-पुलिया सहित होगा निर्माण, ग्रामीण क्षेत्रों की कनेक्टिविटी होगी मजबूत

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले के ग्रामीण एवं सुदूर क्षेत्रों में सड़क अधोसंरचना को मजबूत करने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा लगातार महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में वर्ष 2025-26 के बजट में शामिल खरकट्टा से कोडेकेला पहुंच मार्ग के निर्माण के लिए 6 करोड़ 30 लाख 81 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृत परियोजना के तहत 6.20 किलोमीटर लंबी सड़क का पुल-पुलिया सहित निर्माण किया जाएगा। इस मार्ग के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों की मुख्य मार्गों से कनेक्टिविटी बेहतर होगी और क्षेत्रवासियों को वर्षभर सुगम एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी। विशेषकर बरसात के दौरान आवागमन में आने वाली कठिनाइयों को दूर करने में पुल-पुलिया सहित सड़क निर्माण महत्वपूर्ण साबित होगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों तक मजबूत सड़क नेटवर्क पहुंचाने को प्राथमिकता दी जा रही है। बेहतर सड़कें गांवों को केवल मुख्य मार्गों से जोड़ने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि इनके माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि और व्यापार जैसी आवश्यक सेवाओं तक लोगों की पहुंच भी आसान होती है। सड़क संपर्क मजबूत होने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति मिलती है और विकास की संभावनाएं भी व्यापक होती हैं।

कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच होगी आसान-खरकट्टा-कोडेकेला मार्ग के निर्माण से क्षेत्र के किसानों को अपनी कृषि उपज को बाजार तक पहुंचाने में सुविधा होगी। विद्यार्थियों को शिक्षण संस्थानों तक आवागमन में सहूलियत मिलेगी, वहीं मरीजों एवं उनके परिजनों को स्वास्थ्य केंद्रों और अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंचने में आसानी होगी। सड़क निर्माण से स्थानीय व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की संभावना है। पुल-पुलिया सहित सड़क का निर्माण होने से वर्षा ऋतु में जलभराव एवं मार्ग बाधित होने जैसी समस्याओं से राहत मिलेगी। इससे ग्रामीणों को पूरे वर्ष बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी तथा गांवों और आसपास के प्रमुख क्षेत्रों के बीच संपर्क और अधिक मजबूत होगा।

क्षेत्रवासियों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का जताया आभार

खरकट्टा से कोडेकेला मार्ग के निर्माण के लिए मिली स्वीकृति पर क्षेत्रवासियों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है। ग्रामीणों ने कहा कि इस सड़क के निर्माण से लंबे समय से आवागमन से जुड़ी समस्याओं का समाधान होगा और लोगों को बेहतर सड़क सुविधा मिल सकेगी। क्षेत्रवासियों ने कहा कि सड़क निर्माण से न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि क्षेत्र में कृषि, व्यापार, शिक्षा और रोजगार से जुड़ी गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस महत्वपूर्ण सड़क परियोजना के पूर्ण होने से ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को नई दिशा मिलेगी और लोगों का जीवन अधिक सुगम एवं सुविधाजनक बनेगा।

राज्यपाल श्री डेका ने उपराष्ट्रपति श्री राधाकृष्णन का किया आत्मीय स्वागत

रायपुर। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन के छत्तीसगढ़ आगमन पर राज्यपाल रमेन डेका, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, वन एवं जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता एवं संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने स्वामी विवेकानंद विमानतल रायपुर में उनका आत्मीय स्वागत किया।

राज्यपाल श्री डेका ने उपराष्ट्रपति श्री राधाकृष्णन का किया आत्मीय स्वागत-उपराष्ट्रपति का स्वामी विवेकानंद विमानतल रायपुर में खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के मंत्री दयालदास बघेल, वाणिज्य एवं उद्योग, सार्वजनिक उपक्रम, वाणिज्यिक कर (आबकारी) श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, पुनर्वास, उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा, राज्य सभा सदस्य लक्ष्मी वर्मा ने आत्मीय स्वागत की। इसी प्रकार कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार, अनुसूचित जाति विकास मंत्री गुरू खुशवंत साहेब, विधायक पुरंदर मिश्रा, अनुज शर्मा, सुनील सोनी, मोती लाल साहू और जनप्रतिनिधि अशोक बजाज और मुख्य सचिव विकासशील, पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम, जनप्रतिनिधियों ने उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन का स्वामी विवेकानंद विमानतल रायपुर में आत्मीय स्वागत किया।

बाल संरक्षण गृहों को मिलेगी नई पहचान, अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा की पहल

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने प्रदेश में संचालित बाल एवं बालिका संरक्षण गृह तथा बाल संप्रेक्षण गृहों की पहचान को अधिक सकारात्मक और बालहितैषी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है।

उन्होंने इन संस्थाओं के वर्तमान औपचारिक एवं संस्थागत नामों के स्थान पर ऐसे नाम रखने की अनुशंसा की है, जो बच्चों में अपनत्व, आत्मसम्मान, सुरक्षा और सकारात्मक सोच की भावना विकसित करें।

डॉ. वर्णिका शर्मा ने इस संबंध में महिला एवं बाल विकास विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के प्रमुख सचिव को पत्र भेजकर आवश्यक कार्रवाई का आग्रह किया है।

उन्होंने सुझाव दिया है कि बाल संरक्षण संस्थाओं के नाम केवल प्रशासनिक पहचान तक सीमित न हों, बल्कि उनमें बच्चों के प्रति संवेदनशीलता और गरिमा का भाव भी झलके।

पोषण माह 2026 के सफल आयोजन को लेकर राज्य स्तरीय तैयारियों की समीक्षा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय पोषण माह 2026 के प्रभावी एवं सफल आयोजन को लेकर आज संचालनालय, महिला एवं बाल विकास विभाग में अंतरविभागीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों एवं सहयोगी संस्थाओं के अधिकारियों ने सहभागिता करते हुए पोषण माह के दौरान आयोजित की जाने वाली गतिविधियों की रूपरेखा, विभागीय समन्वय और मैदानी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की।

अंतरविभागीय समन्वय से प्रदेशभर में होंगे पोषण जागरूकता और जनभागीदारी के कार्यक्रम

बैठक में बताया गया कि भारत सरकार के निर्देशानुसार प्रदेश में सितंबर माह को राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में जनभागीदारी के साथ मनाया जा रहा है। इस वर्ष पोषण माह का मुख्य विषय "हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी" है। पोषण अभियान का उद्देश्य बच्चों, महिलाओं, गर्भवती एवं शिशुवती माताओं तथा किशोरियों के पोषण स्तर में सुधार के साथ समुदाय में स्वस्थ खान-पान और पोषण संबंधी व्यवहार को बढ़ावा देना है।

बैठक में पोषण माह के दौरान आहार विविधता एवं पर्याप्त प्रोटीन सेवन, आंगनवाड़ी केन्द्रों में ताजा एवं गरम पका हुआ भोजन, सामुदायिक सहभागिता, बाल विकास के लिए पोषण एवं प्रारंभिक उद्दीपन तथा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY) के माध्यम से मातृ स्वास्थ्य हेतु नकद अंतरण जैसे विषयों पर विशेष रूप से गतिविधियां संचालित करने पर चर्चा हुई।

अधिकारियों ने विभागीय योजनाओं और गतिविधियों को एक-दूसरे से जोड़ते हुए अंतरविभागीय समन्वय के साथ पोषण को जनआंदोलन का स्वरूप देने पर जोर दिया। आंगनवाड़ी केन्द्रों, पंचायतों, विद्यालयों तथा समुदाय के माध्यम से पोषण जागरूकता को व्यापक बनाने और अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, कृषि, उद्यानिकी, नगरीय प्रशासन, खेल एवं युवा कल्याण, स्कूल शिक्षा, जनसंपर्क, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, अनुसूचित जाति विकास, आदिम जाति कल्याण, कौशल विकास, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, आयुष सहित संबंधित विभागों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

पोषण माह के दौरान समुदाय आधारित गतिविधियों, पोषण जागरूकता और डिजिटल मॉनिटरिंग पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। प्रदेश में पोषण ट्रैकर के माध्यम से आंगनवाड़ी केन्द्रों के विभिन्न पोषण संकेतकों की डिजिटल निगरानी की व्यवस्था भी की गई है।

हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' थीम पर होगा 9वां राष्ट्रीय पोषण माह-2026

9 सितंबर से पूरे छत्तीसगढ़ में शुरू होगा राज्यव्यापी अभियान, आंगनवाड़ी केंद्र बनेंगे पोषण, देखभाल और बाल विकास के सशक्त केंद्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बच्चों और माताओं के पोषण स्तर को बेहतर बनाने तथा समुदाय को पोषण संबंधी प्रयासों से जोड़ने के उद्देश्य से महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मिशन सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 के अंतर्गत 9वां राष्ट्रीय पोषण माह-2026 9 सितंबर से राज्यभर में आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष अभियान की थीम 'हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' रखी गई है। अभियान का उद्देश्य आंगनवाड़ी केंद्रों को पोषण, स्वास्थ्य, देखभाल और प्रारंभिक बाल्यावस्था विकास के प्रभावी केंद्र के रूप में विकसित करते हुए समुदाय की सक्रिय भागीदारी और जवाबदेही सुनिश्चित करना है।

राष्ट्रीय पोषण माह के माध्यम से यह संदेश जन-जन तक पहुंचाया जाएगा कि बच्चों का सुपोषण केवल शासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि परिवार, समुदाय और समाज की साझा जिम्मेदारी है। अभियान के दौरान आंगनवाड़ी केंद्रों में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग को भी प्रोत्साहित किया जाएगा।

स्थानीय खाद्य पदार्थों से पौष्टिक आहार का होगा प्रदर्शन

पोषण माह के दौरान आंगनवाड़ी केंद्रों में स्थानीय स्तर पर आसानी से उपलब्ध और कम लागत वाली खाद्य सामग्री से पौष्टिक व्यंजन तैयार करने का जीवंत प्रदर्शन किया जाएगा। पोषण मेलों के माध्यम से मिलेट्स, मौसमी फल-सब्जियों, दालों, दुग्ध उत्पादों, मेवों और विभिन्न प्रकार के बीजों जैसे पौष्टिक खाद्य पदार्थों की उपयोगिता बताई जाएगी।

छत्तीसगढ़ महिला कोष से मिली मदद, हरमनिया देवी के सपनों को मिली नई उड़ान

एक लाख रुपये के ऋण से शुरू किया किराना और सिंगार व्यवसाय, आज समूह की महिलाओं के लिए बना आत्मनिर्भरता का आधार

रायपुर। कभी आजीविका के लिए सीमित साधनों पर निर्भर रहने वाली सरगुजा जिला ग्राम पंचायत मेंड्राकला की निवासी हरमनिया देवी राजवाड़े ने अब अपने हुनर और मेहनत से आत्मनिर्भरता की नई राह बनाई है। छत्तीसगढ़ महिला कोष से मिले एक लाख रुपये के ऋण ने उनके आकांक्षा स्व-सहायता समूह को स्वरोजगार का अवसर दिया। इसी आर्थिक सहयोग से शुरू की गई किराना और सिंगार सामग्री की दुकान आज समूह की महिलाओं की नियमित आय का जरिया बन रही है।

आकांक्षा स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष हरमनिया देवी बताती हैं कि समूह की महिलाओं के सामने ऐसी आजीविका गतिविधि शुरू करने की चुनौती थी, जिससे नियमित आमदनी हो सके। इसी दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के माध्यम से उन्हें छत्तीसगढ़ महिला कोष से मिलने वाले ऋण की जानकारी मिली। उन्होंने समूह की महिलाओं से चर्चा कर आवेदन किया और ऋण स्वीकृत होने के बाद मिली राशि से व्यवसाय शुरू करने का निर्णय लिया।

छोटी पूंजी बनी बड़े बदलाव की शुरुआत

एक लाख रुपये की ऋण सहायता से समूह ने ग्रामीण क्षेत्र की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए किराना और सिंगार सामग्री की दुकान शुरू की। रोजमर्रा की जरूरतों का सामान और सिंगार सामग्री एक ही स्थान पर उपलब्ध होने से दुकान को धीरे-धीरे ग्राहकों का अच्छा प्रतिसाद मिलने लगा।

श्रीमती हरमनिया देवी कहती हैं कि ऋण की राशि ने केवल दुकान शुरू करने के लिए पूंजी नहीं दी, बल्कि समूह की महिलाओं को अपने पैरों पर खड़े होने का भरोसा भी दिया। आज महिलाएं मिलकर दुकान का संचालन कर रही हैं और अपनी मेहनत से आय अर्जित कर रही हैं।

आय बढ़ी तो परिवार की खुशियां भी बढ़ीं

आजीविका गतिविधि से होने वाली आमदनी का असर अब समूह की महिलाओं के परिवारों पर भी दिखाई देने लगा है। आय में सुधार से बच्चों की पढ़ाई-लिखाई, घरेलू जरूरतों और दैनिक खर्चों को पूरा करने में पहले की तुलना में आसानी हुई है।

श्रीमती हरमनिया देवी बताती हैं कि पहले आर्थिक जरूरतों के लिए कई बार कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब नियमित आय का साधन होने से परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने में सहूलियत मिल रही है। व्यवसाय ने समूह की महिलाओं के भीतर आत्मविश्वास और निर्णय लेने की क्षमता को भी मजबूत किया है।

महिला कोष बना आत्मनिर्भरता का संबल

हरमनिया देवी के लिए छत्तीसगढ़ महिला कोष से मिला ऋण सिर्फ आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि आगे बढ़ने का अवसर है। समूह की महिलाओं ने सामूहिक निर्णय और आपसी सहयोग से ऋण राशि का उपयोग किया और उसे आजीविका के साधन में बदला।वह कहती हैं, "एक लाख रुपये की ऋण सहायता से शुरू हुई दुकान आज हमारे समूह की आजीविका का आधार बन रही है।

A Complete Family Garden Restaurant
Dhillon Chicken
Indian Chinese Tandoor
Garden Lawn Family Restaurant,
Separate Family A.C. Room
FREE Home Delivery With in 3 K.M. 0788-4011912
VEG & NON-VEG
●Marriage & Birthday Party
●Party Catering ●Party Lawn
●Door to Door Catering
New Opening at Chopati Civic Centre Bhilai

Near Chandulal Chandrakar Hospital,
Nehru Nagar Chowk, Bhilai (C.G.)
Mob: 9302401912, 9301999211
Ph: 0788-4011912

21 सिंचाई योजनाओं के कार्यों के लिए 76.93 करोड़ रूपए स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार के जल संसाधन विभाग ने राज्य के विभिन्न जिलों में सिंचाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 21 सिंचाई योजनाओं के लिए 76 करोड़ 93 लाख 85 हजार रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है। इस राशि का उपयोग जलाशयों के जीर्णोद्धार, नहरों की सीसी लाइनिंग, एनीकट निर्माण और बाढ़ नियंत्रण कार्यों में किया जाएगा।

जिलावार स्वीकृत प्रमुख कार्य और आवंटन-कांकेर जिला के कोयलीबेड़ा ब्लॉक के लघु जलाशय पी.व्ही. 114 के जीर्णोद्धार एवं लाइनिंग 2.72 करोड़ रूपए से 28.4 हेक्टेयर, पी.व्ही. 36 जलाशय 4.96 करोड़ रूपए से 400.2 हेक्टेयर और पानीडोबरी एनीकट-कम-काजवे 3.41 करोड़ रूपए से 60 हेक्टेयर में सिंचाई सुविधा मिलेगी। चारामा के गोलकुम्हड़ा जलाशय 4.50 करोड़ रूपए से 110 हेक्टेयर और कांकेर ब्लॉक के मरकाटोला व्यपवर्तन की कन्हारपुरी शाखा नहर लाइनिंग 4.99 करोड़ रूपए से 300 हेक्टेयर क्षेत्र सिंचित होगा।

कोंडागांव जिला के फरसगांव ब्लॉक के बड़ेडोंगर जलाशय 3.35 करोड़ रूपए से 50 हेक्टेयर और लंजोड़ा उद्वहन योजना 3.88 करोड़ रूपए से 295 हेक्टेयर में सिंचाई होगी। माकड़ी ब्लॉक के श्यामपुर व्यपवर्तन 3.45 करोड़ रूपए से 201 हेक्टेयर, घोड़ागांव एनीकट मरम्मत व गेट निर्माण 4.28 करोड़ रूपए से 100 हेक्टेयर और कोंडागांव ब्लॉक के सोनाबाल जलाशय को लाभ मिलेगा।

नोनी सुरक्षा योजना से कौशिल्या की बेटी के भविष्य को मिला आर्थिक संबल

एक लाख रुपये के बॉन्ड से बढ़ा भरोसा, बेटी की शिक्षा और उज्वल भविष्य की बनी मजबूत नींव

रायपुर। बेटियों के सुरक्षित भविष्य और शिक्षा को प्रोत्साहित करने की दिशा में छत्तीसगढ़ शासन की नोनी सुरक्षा योजना जरूरतमंद परिवारों के लिए भरोसे का आधार बन रही है। सरगुजा जिला के ग्राम पंचायत मेंड्राकला निवासी कौशिल्या रजवाड़े की बेटी भी इस योजना से लाभान्वित हुई है। योजना के तहत बेटी के नाम पर एक लाख रुपये का बॉन्ड प्राप्त होने से कौशिल्या को उसके भविष्य की आर्थिक सुरक्षा का भरोसा मिला है।

श्रीमती कौशिल्या के पति राजेश कुमार रजवाड़े कृषि कार्य करते हैं। परिवार की सीमित आय के बीच बेटी की शिक्षा और भविष्य को लेकर श्रीमती कौशिल्या चिंतित रहती थीं। इसी दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने उन्हें नोनी सुरक्षा योजना की जानकारी दी। आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने के बाद आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के सहयोग से आवेदन ऑनलाइन पंजीकृत किया गया और उनकी बड़ी बेटी का योजना में पंजीयन हुआ।

श्रीमती कौशिल्या ने बताया कि योजना के अंतर्गत प्राप्त बॉन्ड एलआईसी बीमा के माध्यम से प्रदान किया गया है। निर्धारित शर्तों के अनुसार बालिका के 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने और 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद निर्धारित राशि प्राप्त होगी, जिसका उपयोग उसकी आगे की पढ़ाई और भविष्य की आवश्यकताओं के लिए किया जा सकेगा।

श्रीमती कौशिल्या कहती हैं, "बेटी के भविष्य के लिए पहले से आर्थिक सुरक्षा मिलना हमारे लिए बड़ी राहत है। अब उसकी पढ़ाई और आगे के जीवन को लेकर हमारा भरोसा बढ़ा है।"

उन्होंने नोनी सुरक्षा योजना के लिए मुख्यमंत्रीविष्णु देव साय और महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के प्रति आभार व्यक्त किया। उनके लिए यह योजना सिर्फ आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि बेटी के सपनों को सुरक्षित भविष्य की ओर ले जाने वाला मजबूत संबल है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक मधुर चितलांग्या द्वारा आसमा पब्लिशर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, रायपुर, छत्तीसगढ़ से मुद्रित कराकर 59 ए/2 नेहरू नगर (प.) भिलाई, दुर्ग छत्तीसगढ़ से प्रकाशित। CHHBIL/44259 संपादक :मधुर चितलांग्या , पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए उत्तरदायी। ई-मेल in.poorabtimes@gmail.com फोन: 9406289600, इंटरनेट संस्करण http://www.poorabtimes.com